पटना ● शनिवार, 25 मई 2024 | मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 | वर्षः 5, अंकः137 | www. bordernewsmirror@gmail.com ☎ 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR
BNM
to the point...
राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

घोड़ासहन पुलिस और भू... 3 | www. bordernewsmirror.com | यस की टॉक्सिक का हिस्सा... 8

दक्षिण में झमाझम बारिश से 'सुहाना' हुआ मौसम

● उत्तर और पश्चिम भारत में भीषण गर्मी ने तोड़े सारे रिकार्ड ● केरल में जोरदार बारिश, पेड़ गिरे और सड़कों पर जलभराव

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल में मानसून से पहले ही जोरदार बारिश हो रही है। एर्नाकुलम के कुछ हिस्सों में जलजमाव की स्थिति बन गई है। सड़कों पर पानी जमा हो गया है और गाड़ियों उसके बीच से गुजरती देखी जा सकती हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने शहर में आज के लिए भारी से बहुत भारी बारिश का अनुमान जताया है और ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, लगातार बारिश के कारण त्रिशूर के सेंट थॉमस रोड इलाके में एक पेड़ गिर गया जिससे कुछ वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। हालांकि, फायर सर्विस की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और सड़क को साफ किया गया। राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश जारी है जिससे तिरुवनंतपुरम, कोच्चि और त्रिशूर सहित प्रमुख शहरों में जलभराव की समस्या उत्पन्न हो गई। आईएमडी ने गुरुवार को एर्णाकुलम और त्रिशूर जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया किया। इससे पहले इन दोनों स्थानों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया था। मौसम विभाग ने राज्य के

पथानमथिट्टा, अलप्पुझा, कोट्टायम, इडुक्की, पलक्कड़, मलप्पुरम, कोझिकोड और वायनाड जिलों में भी ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने राज्य के लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच फेसबुक पर कहा, थोड़े समय के भीतर होने वाली तीव्र बारिश से अचानक बाढ़ आ सकती है। शहरी और निचले इलाके विशेष रूप से जलभराव की चपेट में हैं। लंबे समय तक बारिश से भूस्खलन भी हो सकता है। लोगों को ऐसे मौसम के दौरान होने वाली घटनाओं के दौरान सावधानी बरतनी चाहिए। वर्तमान में राज्य भर में लगे 8 राहत शिविरों में 223 लोगों को रखा गया है। भारी बारिश के कारण कोच्चि के बस अड्डा परिसर में भी जलभराव की समस्या उत्पन्न हो गई है। टीवी चैनलों पर जारी फुटेज के अनुसार, कोच्चि शहर की कई प्रमुख सड़कें जलमग्न होने से यातायात अवरुद्ध हो गया है। पुलिस अधिकारियों को शहर के विभिन्न स्थानों पर वाहनों का मार्ग बदलवाते हुए देखा जा सकता है। केरल राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, 19 से 22 मई तक राज्य में बारिश से संबंधित विभिन्न घटनाओं में चार लोगों की मौत हो चुकी है। इस दौरान कुल 76 घर आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गए जबकि तीन घर पूरी तरह ध्वस्त हो गए। वहीं उत्तर भारत में गर्मी ने अब तक के सारे रिकार्ड तोड़ दिए हैं। पारा 49 तक पहुंच रहा है और शहर भट्ठी की तरह जल रहे हैं। राजस्थान में 8 लोगों की मौत हो गई है। भारी बारिश को देखते हुए तिरुवनंतपुरम और कोट्टायम जिलों में दो राहत शिविर लगाए गए हैं। राज्य भर से सड़कों और कृषि को व्यापक नुकसान की भी खबरें मिली हैं।

शरीर के कई टुकड़े कर डाले और खाल तक उतार ली

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता में बांग्लादेशी सांसद अनवरुल अजीम अनार की संदिग्ध परिस्थितियों की मौत के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी ने ऐसी बातें कबूल की हैं जो कि रोंगटे खड़े कर देने वाली हैं। रिपोर्ट के मुताबिक आरोपी ने कबूल किया कि उसने चार लोगों के साथ मिलकर हत्या की और फिर शव से चमड़ी तक उतार ली। इसके बाद मांस को नोचकर हड्डियां तोड़ दीं और अलग-अलग पैकेट में पैक करके दफनाने निकल पड़े। कोलकाता न्यू टाउन में सांसद की एक किराए के मकान में मौत हो गई थी। सूत्रों का कहना है कि सांसद के एक दोस्त ने ही उनकी हत्या की सुपारी दी थी जो कि उनका बिजनेस पार्टनर भी था। सुपारी देने वाले का नाम अख्तरुज्जमान बताया गया है जो कि एक अमेरिकी नागरिक है। एक आईपीएस अधिकारी ने बाताया, आरोपी की पहचान जिहाद हवलदार के रूप में की गई है।

8 नक्सलियों के एनकाउंटर के बाद माओवादियों का पत्र

जगदलपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में गुरुवार को 8 नक्सलियों के एनकाउंटर के बाद माओवादियों ने सरकार से बातचीत करने की बात कही है। नक्सलियों की सेंट्रल कमेटी के सदस्य ने सरकार को पत्र लिखा। इसमें लिखा कि खून-खराबा रोकने हम बातचीत के लिए तैयार हैं। गुरुवार शाम को रेकावाया गांव के पास मारे गए 8 माओवादियों के शव बरामद किए गए थे। सभी शवों को लेकर जवान दंतेवाड़ा पहुंच रहे

हैं। घटनास्थल से भारी मात्रा में हथियार भी मिले हैं। मारे गए नक्सलियों की अभी पहचान नहीं हुई है। पुलिस को सूचना मिली थी कि अबूझमाड़ के रेकावाया इलाके में नक्सलियों की प्लाटून नंबर 16 और इंद्रावती एरिया कमेटी के नक्सली मौजूद हैं। जवानों को नक्सलियों की सटीक लोकेशन मिल गई। तब इलाके की भौगोलिक परिस्थितियों को देखते हुए तीन जिलों की पुलिस को ऑपरेशन के लिए उतारा गया।

डोंबिवली बॉयलर ब्लास्ट

फैक्ट्री मालिकों पर एफआईआर दर्ज, आरोपी फरार

ठाणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के डोंबिवली में केमिकल फैक्ट्री ब्लास्ट में मौत का आंकड़ा बढ़कर 10 हो गया है। पुलिस ने केमिकल फैक्ट्री अमुदन केमिकल प्राइवेट लिमिटेड के मालिकों और स्टॉफ के खिलाफ केस दर्ज किया है। फिलहाल सभी आरोपी फरार हैं। पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए 5

टीमें बनाई हैं। तलाश जारी है। पुलिस के मुताबिक, कंपनी ने रॉ मैटेरियल के स्टोरेज में लापरवाही बरती, जिससे ब्लास्ट हुआ। स्थानीय लोगों ने बताया कि छोटे-छोटे लगातार तीन धमाके हुए थे। ये इतने तेज थे कि लगभग 3 किमी तक सुनाई दिए। आसपास की इमारतों के शीशों में दरारें आ गईं। वहीं, विस्फोट की वजह से आसपास के कई घर क्षतिग्रस्त हो गए। यह फैक्ट्री बंद थी। मरने वालों में ज्यादातर लोग पास के हैं।

देश के 8 राज्यों की 58 सीटों पर वोटिंग आज

● मनोज तिवारी, कन्हैया कुमार और मेनका गांधी मैदान में, पूर्व हाईकोर्ट जज भी चुनाव लड़ रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2024 लोकसभा चुनाव के छठे फेज में शनिवार को 7 राज्यों और 1 केंद्र शासित प्रदेश की 58 सीटों पर वोटिंग होगी। जम्मू-कश्मीर की अनंतनाग-राजौरी सीट पर तीसरे फेज में चुनाव होना था, लेकिन इसे स्थगित कर दिया गया था। अब यहां छठे फेज में वोटिंग हो रही है। 2019 में इन सीटों पर सबसे ज्यादा भाजपा 40, बसपा 4, बीजेडी 4, सपा 1, जेडीयू 3, टीएमसी 3, एलजेपी 1, आजसू 1 सीट जीती थीं। कांग्रेस और एएपी अपना खाता भी नहीं खोल सकी थीं। इस फेज में 3 केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, कृष्ण पाल सिंह गुर्जर और राव इंद्रजीत सिंह मैदान में हैं। 3 पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती, मनोहर लाल खट्टर और जगदंबिका पाल भी चुनाव लड़ रहे हैं। इनके अलावा मनोज तिवारी, मेनका गांधी, नवीन जिंदल, बांसुरी स्वराज, संबित पात्रा, राज बब्बर, निरहुआ भी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। चुनाव आयोग के मुताबिक, इलेक्शन के छठे फेज में 889 कैंडीडेट्स चुनाव लड़ रहे हैं। इनमें 797 पुरुष और 92 महिला उम्मीदवार हैं। इस फेज में सबसे अमीर प्रत्याशी भाजपा उम्मीदवार नवीन जिंदल हैं।

मालीवाल केस में बिभव कुमार को राहत नहीं

● फिर मिला झटका, कोर्ट में पेशी के बाद भेजे गए जेल

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्वाति मालीवाल के साथ मारपीट मामले में गिरफ्तार अरविंद केजरीवाल के पीए बिभव कुमार को अभी कोर्ट से राहत मिलती नजर नहीं आ रही है। कोर्ट ने अब बिभव को 4 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। यानी बिभव अब 28 मई तक जेल में रहेंगे। इससे पहले कोर्ट ने उन्हें 5 दिन की पुलिस हिरासत में भेजा था। हिरासत की अविध आज खत्म होने पर बिभव को कोर्ट में पेश किया गया जहां से उन्हें 4 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। बता दें, स्वाति मालीवाल ने बिभव कुमार पर मारपीट का आरोप लगाया है। उनका आरोप है कि 13 मई को जब वह केजरीवाल से उनके घर मिलने गईं, तब बिभव ने उन्हें बेरहमी से मारा और धमकी भी दी। शिकायत के मुताबिक बिभव ने उन्हें 7-8 थप्पड़ मारे और नीचे घसीटा। इसके बाद उन्हें लात भी मारी। स्वाति मालीवाल की तरफ से एफआईआर दर्ज कराए जाने के बाद पुलिस ने बिभव को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बिभव को कोर्ट में पेश किया जहां से उन्हें 5 दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया। इस दौरान पुलिस क्राइम सीन री-क्रिएट करने के लिए बिभव को दाबारा सीएम आवास भी ले गई।

हरियाणा में भीषण सड़क हादसा, 7 लोगों की मौत

वैष्णो देवी जा रहे श्रद्धालुओं से भरा ट्रैवलर ट्राले से टकराया

अंबाला (एजेंसी)। हरियाणा के अंबाला में गुरुवार देर रात करीब 2 बजे एक भीषण सड़क हादसा हो गया, जिसमें एक परिवार के 7 लोगों की मौत हो गई। वहीं, करीब 19 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। बताया जा रहा है कि ये लोग उत्तर प्रदेश में बुलंदशहर के रहने वाले हैं। सभी एक ट्रेवलर में सवार होकर जम्मू में माता वैष्णो देवी के दर्शन करने जा रहे थे। इसी दौरान अंबाला-दिल्ली के मोहड़ा में हाईवे पर इनका वाहन एक ट्रॉले से टकरा गया। ट्रेवलर में बच्चे और महिलाएं भी सवार थीं। ट्रेवलर में कुल 26 श्रद्धालु थे। हादसा इतना भयानक था कि ट्रेवलर पूरी तरह दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इसमें सवार श्रद्धालुओं में चीख पुकार मच गई। सूचना मिलने के बाद पड़ाव थाना पुलिस मौके पर पहुंची। कुछ श्रद्धालु ट्रैवलर में ही फंस गए थे। इन्हें राहगीरों और पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला। पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से घायल श्रद्धालुओं को अंबाला कैंट के सिविल अस्पताल में पहुंचाया।

पीएम मोदी ने करतारपुर साहिब का जिक्र कर खेला बड़ा दांव

पटियाला की रैली में पीएम नरेंद्र मोदी ने करतारपुर साहिब को लेकर कांग्रेस को घेरा

● 1971 के भारत-पाक युद्ध में विजेता की तरह समझौते नहीं का परोक्ष आरोप भी जड़ा

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पटियाला की रैली में पीएम नरेंद्र मोदी ने सिख वोटरों के नब्ज पर हाथ रखने की कोशिश की। उन्होंने रैली में करतारपुर कॉरिडोर को भारत में नहीं होने पर अफसोस जाहिर किया। पीएम मोदी ने लोगों को याद दिलाई कि अगर 1971 के युद्ध में विजयी होने के बाद तत्कालीन कांग्रेस की सरकार मोलतोल करती तो करतारपुर साहिब भारत का हिस्सा होता। उन्होंने कहा कि 1971 के भारत-पाक युद्ध में 90 हजार से अधिक पाकिस्तानी सैनिकों ने आत्मसमर्पण किया था। अगर उस दौर में वह सत्ता में होते तो पाकिस्तानी सैनिकों की रिहाई से पहले करतारपुर साहिब ले लेते। पाकिस्तानी सेना के जुल्मों से तंग आकर 1970 की शुरुआत में ही पूर्वी पाकिस्तान के शरणार्थी भारत में आने लगे थे। इस बीच अलग बांग्लादेश की मांग को लेकर आवामी लीग नेता शेख

मुजीबुर्रहमान की मुक्तिवाहिनी ने पाकिस्तानी सेना के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। शरणार्थियों की बढ़ती संख्या के बाद भारत ने इसमें हस्तक्षेप किया और पाकिस्तान ने युद्ध की घोषणा कर दी। दिसंबर 1971 में 13 दिनों तक संघर्ष चला। भारतीय सेना ने 93 हजार पाकिस्तानी सैनिकों और रजाकारों को सरेंडर करने के लिए बाध्य किया। 16 दिसंबर को जनरल नियाजी ने सरेंडर पत्र पर दस्तखत किए और नया बांग्लादेश के जन्म के साथ ही पाकिस्तानी सैनिकों की रिहाई शुरु हो गई। करीब 6 महीने बाद दो जुलाई 1972 को भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और पाकिस्तान पीएम जुल्फिकार अली भुट्टो के बीच शिमला समझौता हुआ। जीत के बाद भी भारत ने लाइन ऑफ कंट्रोल को सितंबर 1971 की स्थिति को मान्यता दी। साथ ही यह तय किया गया कि दोनों देश कश्मीर समेत द्विपक्षीय मामलों को बिना किसी मध्यस्थता से आपस में सुलझाएंगे। एक्सपर्ट मानते हैं कि इस समझौते में भारत ने ऐसी शर्त नहीं रखी, जिससे पाकिस्तान कमजोर हो। इस समझौते को विवादित मुद्दों से दूर रखा गया। पीएम मोदी ने इसी चूक के जरिये निशाना साधने की कोशिश की।

देवेगौड़ा ने ही पोते को भेजा विदेश, अब दिखावा कर रहे

पूर्व पीएम पर कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया का पलटवार

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने दावा किया है कि पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा ने ही यौन उत्पीड़न के आरोपों के बीच अपने पोते प्रज्वल रेवन्ना को पिछले महीने जर्मनी भागने में मदद की थी। सिद्धारमैया का चौंकाने वाला बयान ऐसे समय में आया है जब जनता दल (सेक्युलर) के संरक्षक एवं पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा ने अपने पोते और पार्टी के निलंबित सांसद प्रज्वल रेवन्ना को कड़ी 'चेतावनी' जारी की और उससे देश लौट कर यौन उत्पीड़न के आरोपों की जांच का सामना करने को कहा है। सिद्धारमैया ने कहा, मुझे लगता है कि देवेगौड़ा ने खुद प्रज्वल को भेजा था। अब उनके द्वारा लिखा गया पत्र केवल जनता की सहानुभूति के लिए है। एक दिन पहले देवेगौड़ा ने यह भी कहा कि जांच में उनके या परिवार के अन्य सदस्यों की तरफ से कोई हस्तक्षेप नहीं होगा। प्रज्वल पर कई महिलाओं का यौन शोषण करने का आरोप है। वह अप्रैल के अंतिम सप्ताह में कथित रूप से जर्मनी चला गया था। देवेगौड़ा ने उससे कहा कि वह भारत लौटे और पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करे। जद (एस) प्रमुख ने दोहराया कि उनके पोते को दोषी पाए जाने

पर÷ कानून के तहत कड़ी से कड़ी सजा दी जानी चाहिए। देवेगौड़ा (92) ने एक बयान में कहा, इस समय, मैं केवल एक ही काम कर सकता हूं कि मैं प्रज्वल को कड़ी चेतावनी दे सकता हूं और उससे कह सकता हूं कि वह जहां भी है भारत लौट आए।

आजम खान और परिवार को हाईकोर्ट से मिली बड़ी राहत

● दो जन्म प्रमाणपत्र मामले में मिली जमानत

प्रयागराज (एजेंसी)। सपा नेता आजम खान, उनकी पत्नी तंजीन और बेटे अब्दुल्ला को दो जन्म प्रमाण पत्र के मामले में बड़ी राहत मिल गई है। हाईकोर्ट ने तीनों की सजा पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही तीनों को जमानत भी दे दी है। हाईकोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजय कुमार सिंह ने आजम खान, तंजीन और अब्दुल्ला आजम की आपराधिक पुनरीक्षण याचिका पर यह फैसला सुनाया है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद 14 मई को फैसला सुरक्षित कर लिया गया था। तीनों फिलहाल अलग अलग जेलों में बंद हैं। हाईकोर्ट से जमानत के बाद भी केवल तंजीन ही बाहर आ सकती हैं। आजम खान को डूंगरपुर मामले में सात साल और छजलैट मामले में भी दो साल की सजा मिली हुई है। इसी तरह अब्दुल्ला दो साल की सजा मिली हुई है।

चुनाव चल रहा है, हम आयोग को अभी कोई निर्देश नहीं देंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट (एससी) ने शुक्रवार को एक गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) की उस याचिका को खारिज कर दिया जिसमें निर्वाचन आयोग को केंद्रवार मतदान प्रतिशत के आंकड़े अपनी वेबसाइट पर अपलोड करने के निर्देश देने का अनुरोध किया गया था।

याचिका में प्रत्येक बूथ पर मतदान समाप्त होने के 48 घंटों के भीतर डाले गए और/या खारिज किए गए वोटों सहित मतदान प्रतिशत डेटा जारी करने की मांग की गई थी।

हालांकि शीर्ष अदालत ने इन याचिकाओं को लोकसभा चुनाव के बाद तक के लिए स्थगित कर दिया है। अदालत की एक अवकाशकालीन पीठ ने तर्क दिया कि अगर इस पर तत्काल फैसला दिया जाता है और प्रक्रिया को बीच में ही बदला जाता है तो इससे चुनाव के दौरान चुनाव आयोग पर अधिक बोझ पड़ सकता है। पीठ ने यह भी कहा कि सात में से पांच मतदान चरण पूरे हो चुके हैं और परिणाम दो सप्ताह से भी कम

● मतदान आंकड़े अपलोड करने को लेकर एससी की दो टूक

समय में 4 जून को आने वाले हैं। न्यायालय ने कहा कि निर्वाचन आयोग के लिए वेबसाइट पर मतदान प्रतिशत के आंकड़े अपलोड करने के काम में लोगों को लगाना मुश्किल होगा। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की अवकाशकालीन पीठ ने कहा कि वह फिलहाल ऐसा कोई निर्देश जारी नहीं कर सकती क्योंकि चुनाव के पांच चरण संपन्न हो चुके हैं और दो चरण बाकी हैं।

संक्षिप्त समाचार

जंक्शन पर 112 बोतल शराब बरामद, एक धराया

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। प्लेटफॉर्म एक के क्रू लॉबी के पास से रेल पुलिस ने एक युवक को 72 बोतल विदेशी शराब के साथ गिरफ्तार किया है। उसकी पहचान नगर थाना क्षेत्र के गुदरी रोड के पृथ्वी कुमार के रूप में हुई है। उस पर पुलिस पदाधिकारी के बयान पर उत्पाद अधीनियम के तहत केस दर्ज किया गया है। दूसरी ओर आरपीएफ पोस्ट मुजफ्फरपुर ने भी 40 बोतल विदेशी शराब जब्त की है। मामले में आरपीएफ ने रेल थाना मुजफ्फरपुर में प्राथमिकी दर्ज कराई है।

देश के विकास के लिए है यह चुनाव : लेसी सिंह

जलालपुर, एजेंसी। प्रखंड के अनवल में गुरुवार को आयोजित एनडीए की चुनावी सभा में मंत्री लेसी सिंह ने कहा कि यह चुनाव देश के विकास के लिए है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूरे देश व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार में विकास किया है। महाराजगंज लोकसभा क्षेत्र में प्रत्याशी जनार्दन सिंह सीग्रीवाल ने विकास को नई गति दी है व हर क्षेत्र में विकास किया है। इसलिए बिहार व देश के विकास के लिए पीएम मोदी व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को अपना समर्थन देकर जनार्दन सिंह सीग्रीवाल को भारी बहुमत से जितायें व पीएम मोदी के हाथ को मजबूत करें। उन्होंने कहा कि विपक्ष विकास विरोधी है व जातिगत राजनीति को बढ़ावा देकर समाज में विषमता पैदा कर रहा है।

सड़क मरम्मती के नाम पर खानापूर्ति

पूर्णिया/हरदा, एजेंसी। मुख्यमंत्री ग्राम संपर्क योजना अन्तर्गत केनगर प्रखंड के पीएमजीएसवाई पथ जोतलखाय से पासवान टोला पश्चिम तक सड़क मरम्मती के नाम पर खानापूर्ति की गई है। समाजसेवी नौमान आलम सहित दर्जनों लोगों ने बताया कि विभागीय लापरवाही के कारण संवेदक सड़क मरम्मती के नाम पर जहां तहां मरम्मती कर अपना पल्ला झाड़ करते हुए खानापूर्ति कर दिया है। क्षेत्र के ग्रामीणों ने जिला पदाधिकारी एवं विभागीय अधिकारी का ध्यानार्थ कराते हुए सड़क निर्माण कार्य सुदृढ़ करने की मांग की है।

कटिहार के बाइक चोर गए जेल

पूर्णिया, एजेंसी। सदर अस्पताल पूर्णिया के इमरजेन्सी वार्ड के सामने एक मोटर साइकिल चोर बबलू यादव उर्फ बब्बू यादव को मास्टर चाबी से मोटर साइकिल चोरी करते समय उपस्थित लोगों ने मोटर साइकिल के साथ पकड़ लिया। पकड़ाये अभियुक्त बबलू यादव उर्फ बब्बू यादव को केहाट थाना के द्वारा विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। गिरफ्तार अभियुक्त कटिहार जिले के गेराबाड़ी जोराबगंज वार्ड नं-01 के स्थाई निवासी बताए गए।

छिनतई मामले में एक गिरफ्तार

पूर्णिया, एजेंसी। अमौर थाना पुलिस ने बीते दिनों फाइनेंस कंपनी कर्मी के साथ छिनतई मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी मोहम्मद कादिर है जिसे सरवेली पुल के पास से गिरफ्तार किया है। विदित हो कि विगत 13 मई को दो बाइक पर सवार चार नकाबपोश अपराधियों के द्वारा फाइनेंस कर्मी से छिनतई करते हुए 136450 सहित कागज़ात भरे बैग लूट लिया गया था। इस मामले को लेकर कर्मी मुकेश कुमार द्वारा अमौर थाना में मामला दर्ज कराया गया था, जिस पर कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

नीतीश की सरकार में सूबे का हुआ चौमुखी विकास : श्रवण

मोतीपुर, एजेंसी। ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि तेजस्वी यादव युवाओं को नौकरी देने की बात कहकर झूठा प्रचार कर नई पीढ़ियों को दिग्भ्रमित कर रहे हैं। वे गुरुवार को नरियार पंचायत के बतरौल गांव में एनडीए की लोजपा प्रत्याशी वीणा देवी के पक्ष में नुक्कड़ सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लालू यादव रेलमंत्री रहते हुए रेलवे में नौकरी के बदले में गरीबों की जमीन अपने चहेतों के नाम रजिस्ट्री करवा ली। सीएम नीतीश कुमार ने बेटियों के भविष्य सुधारने के लिए उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं लागू की हैं।

जहानाबाद में सीट कब्जाने और बचाने की जंग, त्रिकोणीय चुनावी मुकाबले ने बढ़ाई सरगर्मी

जहानाबाद, एजेंसी। सम्राट अशोक ने अपने शासनकाल में बराबर की पहाड़ियों में गुफा का निर्माण करावाया था। कहा जाता है कि बौद्ध भिक्षु शांत वातावरण में ध्यान लगा सकें, इसी मकसद से तब इसे बनाया गया। आज यही गुफा जहानाबाद जिले की पहचान है। दूर-दूर से पर्यटक दर्शन-पूजन करने पहुंचते हैं। कभी नक्सल प्रभावित क्षेत्र रहे जहानाबाद में आज भी उद्योगों का नामो- निशान नहीं है। हालांकि यहां के दो उद्योगपतियों ने देश-विदेश तक अपनी पहचान बनाई। इनमें महेन्द्र प्रसाद उर्फ किंग महेन्द्र और दूसरे संप्रदा सिंह यानी संप्रदा बाबू थे। दवा उद्योग के बादशाह रहे इन उद्योगपतियों की गैरमौजूदगी में इस बार जहानाबाद लोकसभा का चुनाव हो रहा है। लड़ाई त्रिकोणीय होने के आसार हैं। एक तरफ पूर्व सांसद व मंत्री रहे सुरेन्द्र प्रसाद यादव हैं तो उनके सामने वर्तमान सांसद और जदयू प्रत्याशी चंदेश्वर प्रसाद चंद्रवंशी अपनी सीट बचाने की जद्दोजहद कर रहे हैं। वहीं हाथी पर सवार होकर पूर्व सांसद अरुण कुमार ने जहानाबाद की चुनावी समर को दिलचस्प बना दिया है।सिंचाई व्यवस्था सबसे बड़ा चुनावी मुद्दा जहानाबाद लोकसभा की बड़ी आबादी कृषि पर निर्भर है। धान और गेहूं के अलावा दलहन की खेती होती है। खेती का बड़ा हिस्सा सिंचाई के लिए मानसून की बारिश और ट्यूबवेल पर आधारित है। फल्गू नदी पर उदेरा स्थान में बराज का निर्माण कर दो नहरें यहां से निकाली गईं। एक नालंदा की ओर जाती है तो दूसरी जहानाबाद में। दोनों ही नहरों का हाल खस्ता है, क्योंकि पानी पर्याप्त मात्रा में नहीं आता। घोसी विधानसभा के ओकरी निवासी बिंदलेश शर्मा बताते हैं यहां से भी फल्गू नदी गुजरती है। सिर्फ स्लुईश गेट लग जाए तो पानी की किल्लत नहीं होगी। जहानाबाद में रहनेवाले उमेश कुमार बताते हैं सिंचाई के संकट को दूर करने के लिए उदेरा स्थान बराज के पास फल्गू को सोन नद से जोड़ने की योजना बनी, पर आज तक काम आगे नहीं बढ़ा। 28 साल तक सेना की नौकरी के बाद हाल ही में सूबेदार विनोद कुमार सेवानिवृत होकर अपने गांव लड्उआ आए हैं। अग्निवीर योजना पर बोले-सेना में आ रहे जवानों में वह बात नहीं है, जो पहले के जवानों में होती थी। इसपर ध्यान देने की जरूरत है। 90 के दशक में जहानाबाद नक्सलियों का गढ़ होता था। नरसंहार और मार-काट की घटनाएं होती थीं। इलाके के लोग धीरे-धीरे उस दौर को भूल रहे हैं। अपने वोट बैंक को बचाने वाला सिकंदर पिछले तीन लोकसभा चुनावों से लगातार हार का सामना कर रहे बेला के विधायक सुरेन्द्र यादव फिर से राजद के टिकट पर मैदान में हैं। पिछले चुनाव में महज 1751 वोटों से जीते चंदेश्वर प्रसाद पर जदयू ने दोबारा भरोसा जताया है। राजद-जदयू के बीच लड़ाई में तीसरा कोण पूर्व सांसद अरुण कुमार बना रहे हैं। आखिरी क्षणों में बसपा के टिकट पर चुनाव में उतरे अरुण कुमार को पार्टी के परंपरागत वोटरों के साथ स्वजातीय व समर्थकों से आस हैं। राजद के कोर वोटर के सहारे जीत की आस में सुरेन्द्र यादव पसीना बहा रहे हैं। जदयू प्रत्याशी चंदेश्वर प्रसाद को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के काम के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम पर वोट की उम्मीद है। जहानाबाद के रण में जीत चाहे जिसकी हो पर मुकाबला दिलचस्प है।

अपने कोर वोटरों को जो जितना समेट पाएगा, उसकी पहुंच संसद के उतनी ही नजदीक होगी। अतिपिछड़ा वर्ग से आनेवाले चंदेश्वर प्रसाद चंद्रवंशी ने जदयू से अपनी राजनीतिक पारी शुरू की। पार्टी के अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष भी रहे। साल 2019 में जहानाबाद से सांसद बनने से पहले वह बिहार विधान परिषद के सदस्य रहे थे। वहीं पूर्व सहकारिता मंत्री सुरेन्द्र प्रसाद यादव लालू प्रसाद के करीबी रहे हैं। 1990 से बेला से लगातार विधायक हैं। कई विभागों में मंत्री भी रहे। 1998 में जहानाबाद से सांसद रहे। छात्र जीवन से राजनीति में हैं। पहली बार 1993 में एमएलसी बने। समता पार्टी से 1999 और रालोसपा से 2004 में जहानाबाद से सांसद बने। बसपा में आने से पहले वह लोजपा में थे। जहानाबाद लोकसभा क्षेत्र तीन जिलों में फैला है। जिले के घोसी, मखदुमपुर व जहानाबाद विस के अतिरिक्त अरवल जिला का अरवल व कुर्था और गया जिला का अतरी विधानसभा इसका हिस्सा है। फिलहाल सभी विधानसभा सीटों पर इंडिया गठबंधन का कब्जा है। चार पर राजद और दो पर भाकपा (माले) के उम्मीदवारों ने 2020 के विधानसभा चुनाव में जीत हासिल की थी। जहानाबाद लोकसभा सीट आजादी के बाद लंबे समय तक कांग्रेस और सीपीआई का गढ़ रही। लेकिन 1998 के चुनाव में इस सीट का समीकरण ऐसा बदला कि कम्युनिस्ट और कांग्रेस को फिर कभी जीत नसीब नहीं हुई। कभी राजद तो कभी जदयू या रालोसपा का यहां कब्जा रहा।

बीजेपी के वरिष्ठ नेता अनिल शर्मा को मिली जान से मारने की धमकी

छपरा, एजेंसी। महराजगंज संसदीय क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी जनार्दन सिंह सीग्रीवाल के पक्ष में कई दिनों से कैम्प कर आक्रामक चुनाव प्रचार करने वाले प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष व वर्तमान में भाजपा के वरीय नेता अनिल कुमार शर्मा को जान से मारने की धमकी मिली है। भाजपा नेता अनिल शर्मा ने एकमा थाने में एफआईआर दर्ज करवायी है। दर्ज एफआईआर में कहा गया है कि गुरुवार की दोपहर में मोबाइल पर कॉल कर चुनाव प्रचार छोड़कर अविलंब क्षेत्र से बाहर चले जाने अन्यथा जान से हाथ धोने की धमकी दी गयी। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। एफआईआर में उन मोबाइल नम्बरों का भी जिक्र किया गया है जिससे कॉल आया था। बीजेपी नेता ने एफआईआर में मोबाइल करने वालों को कांग्रेस प्रत्याशी और प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष का समर्थक होने का आरोप लगाया है। बीजेपी नेता ने कहा कि वे कांग्रेस प्रत्याशी व समर्थकों द्वारा फूल नहीं कुल के मद्देनजर मतदान की अपील करने के खिलाफ लोगों को बता रहे हैं कि कुल पर जब आपदा की घड़ी आयी थी तो ये लोग कहां थे। कुलद्रोही कि भूमिका निभाने वाले आज कुल को बढ़ाने की बात कर रहे हैं। इन्ही तर्कों की प्रतिक्रिया में यह धमकी दी गयी है।

आचार संहिता उलंघन मामले में बसपा उम्मीदवार गिरफ्तार

गोपालगंज, एजेंसी। गोपालगंज के कुचायकोट थाना पुलिस ने बसपा उम्मीदवार सुजीत राम को आदर्श आचार संहिता उल्लंघन के मामले में गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही मामला दर्ज कर उनके विरुद्ध विधि सम्मत कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने बताया की चुनाव प्रचार के अंतिम दिन गुरुवार को बसपा पार्टी के उम्मीदवार सुजीत कुमार राम द्वारा रैली और जुलूस निकालने अनुमति मांगी गई थी। प्रशासन के द्वारा बसपा प्रत्याशी को भगवानपुर से चनावे, थावे गोपालगंज होते हुए भड़कुईया कोईनी, बरौली से होते हुए धर्मपरसा तक अनुमति दी गई थी। रैली का निर्धारित समय 12:00 बजे से 3:00 बजे तक था, लेकिन बसपा प्रत्याशी ने रूट चार्ट का उल्लंघन कर अपनी गाड़ी कुचायकोट विधानसभा क्षेत्र के अन्य गांव में जाकर प्रचार प्रसार करना शुरू कर दिया।

बिना अनुमति प्रचार कर रहे थे : साथ ही जिस वाहन का प्रयोग प्रचार प्रसार के लिए किया जा रहा था। उस वाहन का प्रचार प्रसार के लिए अनुमति प्राप्त नहीं की गई थी। इस बात की जानकारी जिले के पुलिस प्रशासन को मिली। जानकारी मिलते ही पुलिस प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बसपा के उम्मीदवार सुजीत कुमार राम को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही बिना अनुमति के प्रचार कर रहे वाहन को भी जब्त कर लिया है।

प्रशांत किशोर को तेजस्वी ने बताया बीजेपी का एजेंट

पटना, एजेंसी। जनसुराज के संस्थापक और चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर को आरजेडी नेता और पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने बीजेपी का एजेंट करार दिया है। और कहा कि जब भाजपा हारने लगी तो तीसरे-चौथे चरण के चुनाव के बाद उनसे माहौल बनाने के लिए बुलवाना शुरू कर दिया। वे भाजपा की मानसिकता के आदमी हैं। भाजपा इनको घुमा रही है, फंड दे रही है।

तेजस्वी यादव ने प्रशांत किशोर और बीजेपी पर हमला बोलते हुए कहा उस वीडिया का भी जिक्र किया। जिसमें नीतीश कुमार ने कहा था कि प्रशांत किशोर को पार्टी का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हम अमित शाह को कहने पर बनाए हैं। तेजस्वी ने कहा कि ये तो शुरू से ही बीजेपी के रहे हैं। और जो पार्टी इनके साथ काम करेगी। वो बर्बाद हो जाएगी। प्रशांत किशोर अपने जिलाध्यक्ष को सैलरी पर रखते हैं। विश्व की सबसे अमीर पार्टी भाजपा भी नहीं रखती होगी। अपने जिला अध्यक्ष को सैलरी पर। न गाड़ी देती होगी। लेकिन ये करते हैं। पता नहीं पैसा कहां से आता है इनके पास। तेजस्वी ने कहा कि आप सभी लोगों ने देखा होगा। कि पिछले साल ये किसी के साथ काम करते हैं। फिर किसी और के साथ। डेटा इधर-उधर करते हैं। आज आपका डेटा ले लिया, कल उसे दे दिया। इसी तरह का काम है। हमें व्यक्तिगत तौर से उन्हें कुछछ नहीं कहना है। लेकिन आपको ये समझना होगा कि प्रशांत किशोर बीजेपी मानसिकता वाले और भाजपा के एजेंट हैं। एक रणनीति के तहत बीजेपी इन्हें घुमवा रही है। और फंड दे रही है। लेकिन हमको भी मालूम है। कि ये कहां-कहां फंड दे रहे हैं।

कहा– माहौल बनाने के लिए भाजपा दे रही फंड और घुमा रही

वहीं प्रधानमंत्री मोदी के बार-बार बिहार दौरे को लेकर तंज कसते हुए कहा कि बिहार में फीडबैक बहुत खराब मिल रहा है, इसी वजह से प्रधानमंत्री मोदी बार-बार बिहार में चुनावी रैलियां करने पहुंच रहे हैं। वहीं चिराग पासवान चिराग पासवान द्वारा नादान बताए जाने पर कहा कि केक काटने में नादानी क्या है? दो सौ सभा किसी ने की है क्या? नादानी तो वो होती है, जिसकी पार्टी छीन ली गयी, पार्टी को तोड़ दिया गया, घर को छीन लिया, फिर भी हनुमान बने हुए हैं।

गर्मी का सितम जारी, 26 से प्रदेश के अधिकतर हिस्सों में बारिश के आसार

पटना, एजेंसी। बिहार में अगले दो दिनों तक बारिश के आसार नहीं है। लेकिन, 26 मई से प्रदेश के अधिकतर हिस्सों में बारिश के आसार हैं। इस दौरान मेघगर्जन और वज्रपात के साथ ही 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलेगी। वहीं शुक्रवार और शनिवार को अधिकतम तापमान में मामूली बढ़ोतरी होगी। इस कारण दोपहर में लोगों को उमस भरी गर्मी का एहसास होगा।

हालांकि बंगाल की खाड़ी से नमीयुक्त पुरवा हवा आने के कारण लोगों को सुबह और शाम के समय गर्मी से राहत मिलेगी। मौसम विभाग के अनुसार गुरुवार को पटना के अधिकतम और न्यूनतम तापमान में गिरावट आई। अधिकतम तापमान में 0.9 और न्यूनतम में 1.4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आई। राजधानी का अधिकतम तापमान 34.9 और न्यूनतम तापमान 26.3 डिग्री रिकॉर्ड किया गया वहीं समस्तीपुर जिले में शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों में बुधवार देर शाम से गुरुवार को दिन में आठ बजे तक रूक रूक हुई बारिश ने जहां आमलोगों को भीषण गर्मी से राहत दिलायी, वहीं किसानों के लिए वरदान साबित हुई। बारिश से आम, लीची व सब्जी की खेती करने वाले किसानों के चेहरे खिले रहे। बारिश से धान की नर्सरी लगाने में भी किसानों को सहूलियत होगी।

विदित हो कि प्रचंड धूप व भीषण गर्मी के कारण खेतों में नमी गायब हो गयी थी। जिससे पटवन करते करते किसान परेशान थे। खासकर सब्जी की खेती करने वाले फसल सूखने से परेशान थे। बारिश से कुछ

जगहों पर जलजमाव भी हुआ जिससे राहगीरों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा। बुधवार रात ताजपुर एवं आसपास के इलाके में बारिश हुई। बारिश से किसानों के खेतों में लगी सब्जी की फसलों को फायदा हुआ है। वहीं बारिश के कारण ताजपुर बाजार के हॉस्पिटल रोड में सड़क में पानी भर जाने से लोगों को आवागमन की असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।

छपरा हिंसा: रोहिणी आचार्य के साथ घूम रहा राबड़ी देवी का बॉडीगार्ड सस्पेंड

छपरा, एजेंसी। बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी की सुरक्षा में तैनात पटना ज़िला बल के सिपाही जितेंद्र सिंह को निलंबित कर दिया गया है। वह राबड़ी देवी के साथ बॉडीगार्ड के रुप में तैनात था। सिपाही जितेंद्र सिंह को अनाधिकृत रुप से सारण लोकसभा क्षेत्र की राजद प्रत्याशी रोहिणी आचार्य के साथ जाने के लिए सारण के पुलिस अधीक्षक से प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन का आदेश पटना जिला के वरीय पुलिस अधीक्षक ने जारी किया। इस बीच राजद कार्यकर्ता की हत्या के आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए सारण एसपी ने एसआईटी गठित कर दी है। इस कांड में फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी को लेकर टीम लगातार छापेमारी कर रही है। घटनास्थल के आसपास जितने भी सीसीटीवी लगे हैं उन सभी के फुटेज को टीम

खंगालने में जुटी है। स्टार प्रचारक पूर्व एमएलसी भोला पर आचार संहिता का भी मुकदमा सीओ ने किया है। इस मामले में टीम कई बिंदुओं पर जांच कर रही है। एसपी ने बताया कि फरार अभियुक्तों के घर की कुर्की की कार्रवाई को लेकर कोर्ट में आवेदन देने की तैयारी चल रही है। सीसीटीवी फुटेज में चिन्हित लोगों की सूची भी पुलिस ने तैयार कर ली है। इन सभी लोगों पर आने वाले दिनों में कार्रवाई तय है और इस फुटेज के माध्यम से पुलिस अभियुक्त बनाकर जेल भेजेगी। घटनास्थल पर सुरक्षा व्यवस्था का तीसरे दिन एडिशनल एसपी व हेडक्वार्टर अपर पुलिस अधीक्षक ने जायजा लिया। पूर्व एमएलसी भोला राय के खिलाफ टाउन थाने में सदर प्रखंड के सीओ के लिखित बयान पर आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन का मामला दर्ज किया गया है। दिए गए आवेदन में कहा गया है कि चुनाव आयोग के निर्देशों के आलोक में 18 मई की शाम 6 बजे तक चुनाव प्रचार समाप्त होने के बाद भी क्षेत्र छोड़कर सभी नेता चले गये लेकिन इनके द्वारा ऐसा नहीं किया गया। इसी को देखते हुए उनके खिलाफ थाने में मामला दर्ज किया गया है।बता दें कि चुनाव के दिन ही बड़ा तेलपा भिखारी ठाकुर चौक पर बूथ संख्या 318 और 319 पर बवाल हुआ था।

चुनाव के एक दिन पूर्व भिखारी ठाकुर चौक पर हुई हिंसक झड़प और हत्या मामले में पुलिस प्रशासन की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि हत्या प्रयुक्त की गयी राइफल व रिवाल्वर के लाइसेंस रद्द करने की प्रक्रिया चल रही है। यह जानकारी एसपी डॉ गौरव मंगला ने दी। उन्होंने बताया कि पुलिस प्रशासन ने एक राइफल, एक रिवाल्वर व 56 जिंदा कारतूस जब्त किया है।

STONE CLINIC MOTIHARI
स्टोन क्लिनिक मोतिहारी
शास्त्री नगर, महिला कॉलेज रोड, मोतिहारी
डॉ. मीना
MBBS,DGO, DNB, (OBG), FMAS
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ

संक्षिप्त समाचार

शांतिपूर्ण मतदान को लेकर निकाला गया फ्लैग मार्च

बीएनएम। मोतिहारी। लोकसभा चुनाव को लेकर रक्सौल में थानाध्यक्ष राजीव नंदन सिन्हा के नेतृत्व में एसएसबी एसटीएफ सहित सुरक्षा बलों के जवानों ने नेपाल सीमावर्ती क्षेत्र के इस्लामपुर,महदेवा, सहदेवा, नोनेयाडीह, नगर परिषद, हरदिया, जोकियारी, सिसवा सहित अन्य सीमाई इलाके में फ्लैग मार्च निकाली गई। इस दौरान फ्लैग मार्च करते हुए जवानो ने लोगों से शांतिपूर्ण मतदान करने की भी अपील की। मौके पर पुलिस पदाधिकारियो ने बताया कि फ्लैग मार्च निकाल कर आम जन को संदेश दिया कि चुनाव के दौरान अगर कोई भी लॉ एण्ड ऑडर को तोड़ने का प्रयास करता है तो पुलिस उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी। साथ ही सबको भयमुक्त होकर मतदान करने के लिए प्रेरित भी किया गया। बताया गया कि चुनाव को शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न कराने के लिए पुलिस बल पूरी तरह अलर्ट मोड़ पर है।

सज धजकर तैयार हुआ रक्सौल का आदर्श मतदान केन्द्र

बीएनएम। मोतिहारी। जिले का रक्सौल विधानसभा जो सीमांकन में पश्चिमी चंपारण लोकसभा क्षेत्र में आता है,वहां छठे चरण में शनिवार को होनेवाले मतदान को लेकर रक्सौल शहर के हजारीमल उच्च विद्यालय को आदर्श मतदान केन्द्र बनाया गया है। एसडीएम शिवाक्षी दीक्षित ने शुकवार को बताया कि चुनाव को लेकर आदर्श मतदान केन्द्र पर भव्य व आकर्षक पंडाल लगाया गया है, जिसे रंग बिरंगे झालरों से सजाया गया है। इसके साथ ही यहां मतदाताओ के लिए सेल्फी प्वाइंट भी बनाया गया है।जहां युवा व अन्य वोटर सेल्फी ले सकेंगे। उन्होने बताया कि रक्सौल विधानसभा क्षेत्र में कुल चार आदर्श मतदान केन्द्र बनाये गये है। इनमें बूथ संख्या 222 उत्क्रमित मध्य विद्यालय बैरिया भेडीहारी आदापुर, बूथ संख्या 48,49 एवं 50 हजारीमल उच्च विद्यालय रक्सौल शामिल है। जिन सभी आदर्श मतदान केंद्रों पर महिला मतदान कर्मियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। जहां सभी मतदान कर्मी मतदान केन्द्र पर पहुंच गए है। मतदान सुबह सात से शाम छह बजे तक होगी। रक्सौल विधान सभा क्षेत्र में कुल 289 मतदान केन्द्र बनाया गया है,जहां कुल 2 लाख 90 हजार 768 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।

लोकसभा चुनाव के मद्देनजर आपात स्थिति के लिए एयर एम्बुलेंस हुआ उपलब्ध

24 मई से 26 मई तक वाल्मीकिनगर में एयर एंबुलेंस का ठहराव किया गया है

बीएनएम। बगहा। मतदान के मद्देनजर विशेष सचिव सह अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी पटना के ज्ञापांक 2606 के द्वारा लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के छठे चरण के मतदान में आपात स्थिति उत्पन्न होने पर उससे निपटने हेतु 24 मई से 26 मई तक वाल्मीकि नगर में एयर एंबुलेंस का ठहराव सुनिश्चित किया गया है। मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी पश्चिम चंपारण के कार्यालय के ज्ञापांक 1068 के द्वारा प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हर्नाटांड़ को एयर एंबुलेंस के ठहराव स्थल पर मेडिकल टीम उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है। ठहराव स्थल पर सभी आवश्यक दवाएं, उपकरण और पारा मेडिकल टीम और चिकित्सक की टीम को उपलब्ध कराने का निर्देश जारी किया गया है। इस बाबत पूछे जाने पर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी हर्नाटांड़ राजेश सिंह नीरज ने बताया कि इलेक्शन कमिशन आफ इंडिया के दिशा निर्देश पर वाल्मीकि नगर लोकसभा के वाल्मीकि नगर में एयर एंबुलेंस उपलब्ध कराया गया है। ताकि किसी भी आपात स्थिति में पीड़ित को त्वरित चिकित्सा सुविधा मुहैया कराई जा सके।

खबर का हुआ असर नामांकन में बरती गई अनियमितता को लेकर प्रधानाध्यापक से जिला शिक्षा पदाधिकारी ने मांगा स्पष्टीकरण

बीएनएम। बगहा। विगत दिनों वाल्मीकिनगर स्थित हाई स्कूल नदी घाटी योजना उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक मंतोष कुमार शारदा के द्वारा नवम वर्ग में नामांकन में नियत तय शुल्क से ज्यादा शुल्क लेने को लेकर पीड़ित छात्रों द्वारा विरोध प्रदर्शन किया गया था। जिस की खबर नेशन एजेंडा ने प्रमुखता से छपी थी। बतादें इस छपी खबर का संज्ञान लेते हुए जिला शिक्षा विभाग के पदाधिकारी ने प्रधानाध्यापक से पूरे प्रकरण पर स्पष्टीकरण मांगा है।पत्रांग 4907 में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि पत्र प्राप्ति के 24 घंटे के अंदर साक्ष्य के साथ स्पष्टीकरण प्रस्तुत करें। विलंब की स्थिति में विभाग द्वारा कठोर कार्यवाई की जाएगी।

डिस्पैच केंद्र पर कुत्ते का कहर दर्जनों कर्मी ज़ख्मी

बीएनएम। बगहा। लोक सभा चुनाव को लेकर बगहा के मंगलपुर बाबा भूतनाथ कॉलेज में डिस्पैच केंद्र बनाए गए है। जहां एक अप्रत्याशित घटना प्रकाश में आया है। डिस्पैच केंद्र अचानक एक कुत्ता घुस गया और भीड़ को देख कर इधर-उधर भागने लगा। अफरा-तफरी में कुत्ते ने लगभग एक दर्जन मतदान कर्मियों को काटकर जख्मी कर दिया। इस दौरान डिस्पैच केंद्र पर कुछ देर के लिए हड़कंप मच गया। सुरक्षा कर्मियों ने कुत्ते को डिस्पैच केंद्र से बाहर निकाला। जख्मी मतदान कर्मियों को तुरंत केंद्र पर ही स्थापित मेडिकल कैंप में ले जाया गया, जहां उनका इलाज किया गया। मेडिकल कैंप के प्रभारी डॉ. अरशद कमल ने बताया कि कुत्ते के हमले में जख्मी सभी कर्मियों को तुरंत एंटी-रैबीज वैक्सीन (एआरवी) दी गई। उनके जख्मों का भी इलाज किया गया। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि सभी जख्मी मतदान कर्मियों की स्थिति सामान्य है। इलाज के बाद वे अपने-अपने मतदान केंद्रों के लिए रवाना हो गए हैं। इस घटना में खड़क सिंह, अंकित कुमार, हीरा लाल यादव, ईश्वर मांझी, रजनीकांत सिंह, जितेंद्र राव सहित एक दर्जन से अधिक मतदान कर्मी घायल हुए हैं। इस अप्रत्याशित घटना ने चुनावी तैयारियों के बीच प्रशासन की सतर्कता से समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराकर स्थिति को नियंत्रण में लिया गया है।

घोड़ासहन पुलिस और भू -माफियाओं के कथित सांठगांठ की चर्चा जोरों पर

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के घोड़ासहन पुलिस और भू -माफियाओं के कथित सांठगांठ की चर्चा जोरों पर है। ताजातरीन मामला घोड़ासहन दक्षिणी पंचायत के वार्ड नं-3 स्थित खाता नं -64 खेसरा नंबर -2214 की जमीन का है जिसपर मुंशफ सिकरहना, ढ़ाका के न्यायालय में स्वत्व वाद सं-19/2023 संजीव जायसवाल बनाम संजय कुमार चल रहा है। बावजूद उक्त जमीन पर दर्जनों की संख्या में असमाजिक तत्वों को लेकर विपक्षी संजय कुमार जो नेपाल का नागरिक होते हुए भारत की नागरिकता भी प्राप्त कर लिया है द्वारा न्यायालय में विचाराधीन जमीन पर बाउंड्री का कार्य कराने के साथ रास्ते को जबरन अवरूद्ध कर दिया है। इस संबंध में पीड़िता नीलम कुमारी द्वारा थाने के सरकारी नं-9431822898 पर कई बार फोन किया गया मगर कोई रिसीव नहीं किया, जिसके बाद पुनः 112 पर संपर्क करने के उपरांत पुलिस घटनास्थल गई और थाना पर आने की बात कहकर अपना पल्ला झाड़ लिया। तदोपरांत पीड़िता द्वारा थाना जाकर लिखित शिकायत की गई मगर कारवाई तो दूर तीन दिन बीतने के बावजूद अभी तक प्राथमिकी भी दर्ज नहीं की गई है। आखिर पुलिस किसके प्रभाव में अभी तक प्राथमिकी दर्ज नहीं की है। थानाध्यक्ष शंभु कुमार मांझी से पूछे जाने पर अभी जांच करने की बात बताकर मामले को कथित रूप से हाईलेवल की डिलींग के आधार पर ठंडे बस्ते में डालने की जुगाड़ में लगे हुए हैं। जबकि इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि पुलिस शिकायत में लगाये गये आरोपों के आधार पर प्राथमिकी दर्ज करने को बाध्य है। यदि ऐसा नहीं किया जाता तो यह 'बहुत बड़ा अन्याय 'होगा। प्राथमिकी में दर्ज

आरोपों के अनुसार पुलिस द्वारा जांच किए जाने की बात करते हुए न्यायाधीश एच के सीमा तथा न्यायाधीश पीके बालासुब्रह्मण्यम की पीठ ने कहा कि पुलिस जांच से पूर्व शिकायतों की वैधता पर सवाल नहीं उठा सकती। पीठ ने कहा कि आपराधिक दंड संहिता की धारा 154 में स्पष्ट कहा गया है कि किसी भी संज्ञान लेने

लायक अपराध के बारे में जिस भी सूचना का खुलासा किसी पुलिस थाने के प्रभारी के समक्ष किया जाता है तो ऐसे पुलिस अधिकारी के पास ऐसी सूचना के आधार पर मामला दर्ज करने के अलावा और कोई विकल्प नहीं है। पीठ ने स्पष्ट किया कि दर्ज करायी गयी शिकायत के आधार पर ही संबंधित पुलिस अधिकारी को मामले की जांच भी करनी होगी। पीठ ने इसके साथ हीं कहा कि संहिता की धारा 154 के ही अनुसार प्राथमिकी दर्ज करने के लिए सूचना की विश्वसनीयता और सटीकता को शर्त नहीं बनाया जा सकता। बावजूद नियमों की अनदेखी कर थानाध्यक्ष भू-माफियाओं के चक्कर में अबतक प्राथमिकी दर्ज नहीं किया है।

संजय जायसवाल ने मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में कहा मतदान अधिकार ही नहीं जिम्मेवारी भी

बीएनएम। पश्चिम चम्पारण

वर्तमान सांसद व एनडीए प्रत्याशी डॉ संजय जायसवाल ने आज शहर के सुप्रिया रोड में मतदाता जागरूकता अभियान चला कर लोगों को मतदान के लिए प्रेरित किया. इसके अतिरिक्त उन्होंने डिजिटल मीडिया के जरिये विडियो संदेश जारी कर लोगों को मतदान के महत्व के बारे में बताया। अपने संदेश में उन्होंने कहा कि मतदान अधिकार ही नहीं जिम्मेवारी भी है।25 मई को इस देश के प्रधानमंत्री कौन बनेगें इसका फैसला पश्चिम चम्पारण लोकसभा की जनता यानी आप सभी को करना है, आप सभी से अनुरोध है कि मतदान अवश्य करें। मतदान के महत्व के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि आपका एक-एक मत भारत का भविष्य, भारत का भाग्य तय करता है। आप सभी के ही मतदान से देश के प्रधानमंत्री चुने जाते हैं।देश के विकास के लिए जितने भी कानून बनते है वह सब संसद में आपके जो प्रतिनिधि होते हैं वहीं तय करते है. उन्ही कानूनों पर इस देश की सुरक्षा और अंतर्राष्ट्रीय पटल पर भारत की पहचान निर्भर करती है. अतः आप सभी से मेरा अनुरोध होगा कि मतदान अवश्य करें। डॉ जायसवाल ने कहा कि आपके मतदान से ही प्रधानमंत्री जी कानून बनाते है और जो भी कानून मंत्रीमंडल बनाता है वह सांसदों की स्थायी समिति में जाती है और सांसद उसपर जनता की राय के बारे में बताते हैं. सांसद ऑफिसरों को बुलाकर के इन योजनाओं पर चर्चा करते हैं और उसके बाद इसका पूरा सार फिर से वापस मंत्रालय को भेजा जाता है। इन कानूनों और गरीबो के कल्याण की योजनाओं पर देश के आम लोगों की इच्छा के हिसाब से उस कानून में संशोधन होते है।

लोकसभा चुनाव को शांतिपूर्ण संपन्न कराने को लेकर पुलिस व पारामिलिट्री के जवानों ने किया फ्लैग मार्च

बीएनएम। गौनाहा

प्रखंड में लोकसभा चुनाव को शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न कराने को लेकर प्रशासन द्वारा गुरुवार को गौनाहा व मटियरिया थाना क्षेत्र में फ्लैग मार्च निकाला गया। गौनाहा थानाध्यक्ष विनोद कुमार व मटियरिया थानाध्यक्ष अंकित कुमार दास के नेतृत्व में दोनों थाना क्षेत्र में बिहार पुलिस व पैरामिलिट्री के जवानों के साथ फ्लैग मार्च निकाला गया। दोनों थानाध्यक्षों द्वारा बताया गया कि थाना क्षेत्र के सभी गांवो में फ्लैग मार्च किया गया है। पुलिस प्रशासन द्वारा बताया गया कि लोकसभा चुनाव को स्वच्छ व शांतिपूर्ण माहौल में सम्पन्न कराने को लेकर प्रशासन पूर्ण रूप से तैयार है। चुनाव में अशांति फैलाने वाले व मतदाताओं को बरगलाने व गुमराह करने वाले शरारती तत्वों पर प्रशासन की कड़ी नजर रहेगी। किसी भी सूरत में असामाजिक तत्वों को बख्सा नही जाएंगा। सभी मतदान केंद्रों पर पर्याप्त मात्रा में पैरामिलिट्री फोर्स व बिहार पुलिस बल की तैनाती रहेंगे जिससे मतदाता निर्भीक होकर अपने मत का प्रयोग कर सकेंगे। मटियरिया थाना क्षेत्र के मेहनौल, डरौल, भूस्की सहित सभी स्थानों तथा गौनाहा क्षेत्र के गौनाहा बाजार, परसा, पिपरिया मेघौली, मझरिया आदि जगहों पर फ्लैगमार्च निकाला गया। फ्लैगमार्च मे मटियरिया थानाध्यक्ष के साथ एसआई सुबोध कुमार, जिवेश कुमार व गौनाहा थानाध्यक्ष, एसआई सुदामा पासवान, पु.अ.नी. पूजा कुमारी, मेघौली चौक पर उपस्थित स्टेटीक सर्विलांस मजिस्ट्रेट अजय कुमार तथा पारामिलिट्री के जवानों के साथ सिपाही उपस्थित थे।

जिले के मरीजों को मिल रहा है डिजिटलाइजेशन का फायदा-ओपीडी आए मरीजों की बन रहा है आभा आईडी

16 लाख लोगों का बनाया गया है आभा आइडी- जिला अनुश्रवण पदा अमानुल्लाह अमन

- रजिस्ट्रेशन बढ़ाने व व्यवस्था मे सुधार को लेकर - राज्य एवं जिला स्तरीय अधिकारियों की हुई बैठक
- यूनिक आईडी की मदद से इलाज कराने में होगी सहूलियत
- आभा आईडी से मरीजों के उपचार,जांच रिपोर्ट,दवाएं, ब्लड ग्रुप की जानकारी तुरंत हो रही है उपलब्ध

बीएनएम। मोतिहारी

मोतिहारी। जिले के मरीजों को अब डिजिटलाइजेशन का फायदा मिल रहा है। ओपीडी में आए हुए मरीजों का आसानी से आभा आईडी का लाभ मिल रहा है। जिससे सरकारी अस्पतालों में इलाज के लिए आने वाले मरीजों को अब रजिस्ट्रेशन काउंटर पर लंबी कतार में लगने की जरूरत नहीं है, यह कहना है जिले के जिला अनुश्रवण पदा अमानुल्लाह अमन का। उन्होंने बताया कि 16 लाख लोगों का आभा आइडी बनाया जा चुका है। उन्होंने कहा कि रजिस्ट्रेशन बढ़ाने के साथ ही व्यवस्था में सुधार करने को लेकर राज्य से आए प्रतिनिधि के साथ जिला स्वास्थ्य समिति के अधिकारियों की बैठक आयोजित की गईं। वहीं मौके पर डीपीएम ठाकुर विश्वमोहन ने बताया की डिस्टिक कमांड एंड कंट्रोल सेंटर भी बनाया जा रहा है ताकि ऑनलाइन माध्यम से ब्लॉक वाइज मरीजों का स्टेटस की जानकारी, डाटा उपलब्ध हों की सभी पीएचसी, सीएचसी, अनुमण्डलीय एवं सदर अस्पताल मे कितने मरीज, किस बीमारी के आ रहें है, उन्हें कौन सी दवाए चल रही है इसकी जानकारी उपलब्ध हों। उन्होंने बताया की जल्द ही हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर लैंड लाइन फोन, ऑनलाइन इंटरनेट फैसिलिटी, सीसीटीवी कैमरा, उपलब्ध कराया जाएगा।

क्यूआर कोड को स्कैन करके मरीज स्वयं भी रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं- आभा आइडी पर रजिस्ट्रेशन के बाद आभा क्यूआर कोड को स्कैन करके मरीज स्वयं भी संबंधित चिकित्सक के पास इलाज के लिए आसानी से रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। उन्होंने बताया की आभा आईडी के प्रचार प्रसार के लिए सरकारी अस्पतालों में पोस्टर लगाये गये हैं, कई प्रखंडों में आभा काउंटर बनाये गये हैं।

16 लाख लोगों का बनाया गया है आभा आइडी - आभा प्रोजेक्ट के डीसी अतुल श्रीवास्तव ने बताया कि जिले मे 16 लाख लोगों का आभा आइडी बनाई गईं है वहीं मार्च 2024 मे 25 हजार 9 सौ 29, अप्रैल मे 26 हजार 200, मई मे 21 हजार 6 सौ 84 आईडी बनाई गईं।आभा प्रोजेक्ट के डीसी अतुल श्रीवास्तव ने बताया कि अस्पतालों के ओपीडी काउंटर पर मरीज को लाइन में लगने की जरूरत नहीं हैमोबाइल फोन की मदद से आसानी से आभा आइडी बनाया जा सकता है। इसके बाद मोबाइल द्वारा क्यूआर कोड को स्कैन करना पड़ता है। इसकी मदद से मरीज को एक टोकन नंबर मिलता है जिससे मरीज ओपीडी की पर्ची प्राप्त कर लेता है। अस्पतालों में एक विशेष क्यूआर कोड वाला आभा काउंटर होता है जहां यह सुविधा मिलती है। बताया कि बीते वर्ष अगस्त में इस प्रोजेक्ट की शुरुआत जिला में हुई थी. जानकारी के अभाव में लोगों को इसका फायदा नहीं मिल पा रहा है। अब मरीज को इस योजना से जोड़ने के लिए जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है। आभा एकाउंट की मदद से मरीज के पुराने जांच तथा दवा से जुड़ी जानकारी एक रिकॉर्ड के रूप में जमा रहेगी। मौके पर राज्य प्रतिनिधि श्रीधर रेड्डी, डीपीएम ठाकुर विश्वमोहन, डीपीसी भारत भूषण, जिला अनुश्रवण एवं मूल्यांकन पदाधिकारी अमानुल्लाह अमन, पिरामल डीसी अभिषेक गिरी, आभा प्रोजेक्ट डीसी अतुल श्रीवास्तव व अन्य लोग उपस्थित थे।

नदी के रास्तों पर रहेंगी पुलिस की पैनी नजर, एसडीआरएफ की टीम टीम के साथ नगर थानाध्यक्ष अनिल कुमार ने किया पेट्रौलिंग

बीएनएम। बगहा

बगहा प०च०। मतदान शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो, इसके लिए प्रशासन व पुलिस अलर्ट मोड़ में है। सड़क से लेकर नदी के रास्तों पर भी पुलिस की पैनी नजर रहेगी। नदी के रास्तों से किसी प्रकार का आपत्तिजनक सामान सीमा क्षेत्र में प्रवेश नहीं करें, इसके लिए एसडीआरएफ की चार टीम तैनात की गई है। एसडीआरएफ की टीम के साथ नगर थाने की पुलिस नदी के रास्तों पर पेट्रोलिंग कर रही है। एसपी सुशांत कुमार सरोज ने बताया कि एसडीआरएफ की चार टीमों को नदी के रास्तों पर तैनात किया गया है। नगर थाना की पुलिस के साथ एसडीआरएफ टीम की सहायता से नदी के रास्तों की लगातार मॉनिटरिंग कर रही है। नगर थानाध्यक्ष अनिल कुमार सिंह ने बताया कि नगर के गोड़िया पट्टी, दीनदयाल नगर, पारस नगर ,काली घाट सहित नदी तट से सटे रास्तों पर पुलिस टीम की गश्त तेज कर दी गई है। ताकि असामाजिक तत्व सीमा क्षेत्र में प्रवेश नहीं कर सकें।

PS BAJAJ FINANCE WHOLE SALE Market QUALITY MATTERS

प्रियांशु बाजाज

नौकरी नौकरी

फाइनेंस होल सेल मार्केट लिमिटेड

Contact No.- 8755711350, 7324818096

https://psbajajholselemarket.in/career

वाल्मीकिनगर संसदीय चुनाव में जदयू और आरजेडी के बीच सीधी टक्कर परिसीमन के बाद समीकरण बदला

- थारू आदिवासी और उरांव निर्णायक भूमिका में

बीएनएम। बगहा

लोकसभा चुनाव के छठे चरण में बिहार के 01 वाल्मीकिनगर संसदीय सीट पर 25 मई को मतदान होना है । जिसके लिए यहाँ कुल 10 उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं, इनमें जदयू से निवर्तमान सांसद सुनील कुमार और आरजेडी प्रत्याशी दीपक यादव के बीच सीधी टक्कर है, जबकि कांग्रेस से 2020 उप चुनाव में उम्मीदवार रहें उप विजेता प्रवेश मिश्रा बागी होकर निर्दलीय चुनावी मैदान में अपनी किस्मत आजमा रहें हैं। भौगोलिक दृष्टि से बगहा जो 2009 में परिसिमन बदलने के बाद वाल्मीकिनगर के नाम से सामान्य सीट बन गया इसका क्षेत्र काफ़ी व्यापक है। नेपाल और उत्तर प्रदेश से सटा हुआ इसका सीमा वाल्मिकीनगर से लौरिया व सिकटा नरकटियागंज तक बड़े पैमाने पर फ़ैला हुआ विभिन्न जाति समुदाय में बंटा हुआ है। वाल्मीकिनगर की जनसंख्या लगभग 38 लाख 40 हज़ार के करीब है । वाल्मीकिनगर संसदीय क्षेत्र में 1828 बूथ हैं। यहाँ कुल मतदाता 18 लाख 15 हज़ार 73 हैं । जिसमें पुरूष वोटरों की संख्या 9 लाख 60 हज़ार 632 है जबकि आधी आबादी में महिला वोटरों की संख्या 8 लाख 54 हज़ार 370 है तो वहीं थर्ड जेंडर में 71 मतदाता हैं ।

जातिय समीकरण में यहां अनुसूचित जनजाति में थारू आदिवासी और उरांव वोटर निर्णायक भूमिका में हैं । जिनकी जनसंख्या 2 लाख 70 हज़ार के आसपास है तो वहीं ब्राह्मण जाति की भी बहुलता है जो दो लाख के क़रीब हैं वहीं यादव वोटरों की भी संख्या तकरीबन ढाई लाख के क़रीब है जबकि मुस्लिम वोटरों की संख्या तीन लाख के आसपास है । दलित और महादलित मिलाकर क़रीब डेढ़ लाख जबकि वैश्य मतदाता भी डेढ़ लाख के आस पास हैं । पिछड़ी व अतिपिछड़े जातियों के वोटर भी डेढ़ लाख के करीब हैं। जातिगत और सामाजिक समीकरण यहां चुनाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते आ रहे हैं लिहाजा यह सीट लम्बे समय से एनडीए के लिए सुरक्षित सीट बन गई है। वाल्मीकिनगर संसदीय क्षेत्र में चुनावी मुद्दों पर नज़र डालें तो सबसे पहले बगहा को राजस्व ज़िला बनाने की मांग वर्षों से चली आ रही है। हालांकि सीएम नितीश कुमार नें अब इसे ज़िला बनाने का भरोसा दिलाया है। भौगोलिक दृष्टि से अतिपिछड़े इलाके में सुमार वाल्मिकीनगर नेपाल और उत्तर प्रदेश से सटा हुआ क़रीब एक सौ किलोमीटर में फैला हुआ बड़ा इलाक़ा है । हालांकि बगहा को वर्ष 1972 में अनुमण्डल मुख्यालय बनाया गया तो वहीं वर्ष 1996 में इसे पुलिस ज़िला का दर्ज़ा मिला । 7 प्रखंड व क़रीब दो दर्जन थानों को मिलाकर बगहा से ज़िला मुख्यालय बेतिया की दूरी 70 किलोमीटर है जो आम लोगों के लिए सरल व सुगम नहीं है । अब तक के चुनावों में दावे और वादे कई बार किये गए लेकिन न तो एनडीए गठबंधन और ना ही महागठबंधन की सरकार में बगहा का कायाकल्प हुआ । परंपरागत रूप से वाल्मीकिनगर लोकसभा सीट आज़ादी के बाद कांग्रेस व गठबंधन के खाते में वर्ष 1988 तक रही , लेकिन वर्ष 1989 से यहां जनता दल, समता पार्टी व अभी जेडीयू का कब्ज़ा बरकरार है । 1989 से समता पार्टी के दिवंगत महेंद्र बैठा 2004 तक चुनाव जीतते रहे जबकि 2004 में जेडीयू के कैलाश बैठा बगहा के सांसद बने तो वहीं परिसीमन में बदलाव के कारण 01 बगहा संसदीय क्षेत्र 01 वाल्मीकिनगर के रूप में परिवर्तित हुआ लिहाजा 2009 में जेडीयू के वैधनाथ प्रसाद महतो ने बड़ी जीत हासिल किया। फ़िर 2014 में मोदी लहर में वाल्मीकिनगर सीट पर एनडीए के बीजेपी उम्मीदवार सतिश चन्द्र दुबे चुनाव जीते । जबकि 2019 में एनडीए के खाते में यह सीट पुनः जेडीयू को गई तब भी वैधनाथ प्रसाद महतो ने भारी मतों से रिकॉर्ड जीत हासिल किया। लेकिन उनके असामयिक निधन के बाद यहां 2020 विधानसभा चुनाव के साथ उप चुनाव हुए जिसमें भी जेडीयू ने दिवंगत सांसद वैधनाथ प्रसाद के पुत्र सुनील कुमार को उम्मीदवार बनाया । जेडीयू के सुनील कुमार ने भी जातिगत समीकरण को ध्वस्त कर पुनः पिता व पार्टी की पुस्तैनी सीट पर जीत हासिल कर विरासत कायम रखी । ऐसे में कहा जा सकता है कि 01 वाल्मिकीनगर लोकसभा सीट पर परंपरागत रूप से एनडीए का ही दबदबा और बोलबाला है और फ़िलहाल जेडीयू यहां काबिज़ है।सुनील कुमार जेडीयू से वाल्मीकिनगर के निवर्तमान सांसद हैं लेकिन महज़ 22 हज़ार वोटों से उप चुनाव में महागठबंधन के कांग्रेस प्रत्याशी प्रवेश मिश्रा की हार हुई । महागठबंधन में कांग्रेस यहां 2009 से लगातार दावेदारी और उम्मीदवारी पेश करती रही लेकिन अबकी बार फ़िर जदयू नें सुनील कुमार पर भरोसा जताया है तो आरजेडी नें उद्योगपति दीपक यादव को उम्मीदवार बनाया है। इधर इन दोनों के अलावे 8 अन्य उम्मीदवार ताल ठोंक रहें हैं जिनमें असम के कोकराझार से दो बार निर्दलीय सांसद रहें नबा कुमार सरानिया उर्फ़ हिरा भाई नॉमिनेशन रद्द होने के बाद यहाँ के आदिवासी वोटरों के बदौलत अपना भाग्य आजमा रहें हैं तो कांग्रेस से बगावत क़र प्रवेश मिश्रा निर्दलीय चुनाव मैदान में हैं वहीं बीजेपी में जमींन तलाश रहें दिनेश अग्रवाल बागी होकर निर्दलीय चुनाव लड़ रहें हैं। ये सभी आठ निर्दलीय उम्मीदवार एनडीए और इंडिया महागठबंधन के वोटों में सेंधमारी की तैयारी में हैं लेकिन दिलचस्प बात यह है की यहाँ सीधी लड़ाई जदयू और आरजेडी के बीच दिख रहीं है।

संक्षिप्त समाचार

वाल्मीकि नगर में अनियंत्रित ऑटो पलटने से नौ लोग जख्मी, तीन गंभीर

बीएनएम। बगहा। वाल्मीकिनगर-बगहा मुख्य सड़क पर नौरंगिया थाना क्षेत्र के हरदिया चाती के निकट शुक्रवार की सुबह एक ऑटो अनियंत्रित होकर बीच सड़क पर पलट गई, जिसमें एक ही परिवार के सवार चालक सहित नौ लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। बताया जा रहा है कि यह सभी जख्मी वाल्मीकिनगर थाना क्षेत्र के विजयपुर गांव निवासी अलीम कुरैशी के संबंधी हैं। ये सभी अलीम कुरैशी के शादी में वाल्मीकिनगर आए थे। शादी समारोह समाप्त होने के बाद यह सभी अपने घर जा रहे थे। घायलों में मनोज कुरेशी उम्र लगभग 40 वर्ष जो अमोलवा निवासी हैं एवं पत्नी अफसाना खातून उम्र लगभग 35 वर्ष, पुत्री मुस्कान खातून उर्म लगभग 14 वर्ष,पुत्र समीर कुरेशी उम्र लगभग 13 वर्ष, पुत्री शाहीन खातून उम्र लगभग 10 वर्ष,पुत्र सलमान कुरेशी उम्र लगभग 8 वर्ष पुत्री साहिन खातून उम्र लगभग 7 वर्ष,पुत्र समर कुरैशी उम्र लगभग 4 वर्ष।यह सभी एक ही परिवार के लोग हैं। नौरंगिया थाना अध्यक्ष अजय कुमार ने बताया कि अनियंत्रित ऑटो जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर बीआर 22 पीए 4640 है मुख्य सड़क पर पलट गई और इसमें सवार लगभग सभी लोग जख्मी हो गए। इनमें से मनोज कुरेशी, अफसाना खातून और समीर कुरेशी गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं चालक भी घायल है।समाचार लिखे जाने तक चालक सहित तीन जख्मी लोगों का उपचार हरनाटांड अस्पताल में जारी है।

मतदान को लेकर भारत-नेपाल सीमा पर कड़ी चौकसी, सीमा पूरी तरह बंद

बीएनएम। बेतिया। 25 मई यानि शनिवार को होने वाले लोकसभा चुनाव में भारत-नेपाल सीमा पर एसएसबी की ओर से कड़ी चौकसी की गयी है। एसएसबी 47वीं बटालियन में इनरवा में तैनात असिस्टेंट कमांडेंट गुलाब चौधरी और इंस्पेक्टर सर्वेश कुमार ने बताया कि अधिकारियों के निर्देश पर 23 मई की 5 बजे शाम से ही सीमा कंप्लीट रूप से सील हैजो चुनाव के दिन शनिवार यानी 25 मई की शाम 5 बजे तक भारत नेपाल सीमा सील रहेगा। किसी को भी आने जाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। कोई वाहन को भी आने जाने की अनुमति नहीं है। बेहद खास परिस्थिति में ही जांचोपरांत आने जाने दिया जा रहा है। हालांकि जवानों के निर्देश दिया गया है कि नेपाल और भारत से 25 मई के शाम 5 बजे तक किसी को भी नहीं आने जाने दिया जाये। उन्होंने बताया कि इंडो नेपाल सीमा पर खासकर रात में नाइट विजन के द्वारा गश्त की जा रही है। ताकि कोई खुली सीमा का फायदा ना उठाएं। उन्होंने बताया कि बीओपी के अधिकारियों और जवानों को खास निर्देश दिए गए हैं ताकि लोकसभा चुनाव शांतिपूर्ण संपन्न कराया जा सके।

अनियंत्रित ओट पलटने से नौ लोग घायल अस्पताल में भर्ती

बीएनएम। बगहा। बगहा पुलिस जिला अंतर्गत नौरंगिया थाना क्षेत्र के हरदिया चाटी के समीप बगहा वाल्मीकिनगर मुख्य मार्ग पर अनियंत्रित ओटो पलट गई। जिसमें लगभग एक ही परिवार के सवार चालक सहित 9 लोग बुरी तरह से जख्मी हो गए। प्राप्त सूचना के अनुसार यह सभी जख्मी वाल्मीकिनगर थाना क्षेत्र के विजयपुर गांव निवासी अलीम कुरैशी के रिश्तेदार हैं।ये सभी अलीम कुरैशी के बेटी और दामाद अपने बच्चों के साथ वाल्मीकिनगर में शादी समारोह से वापस जा रहे थे। इस की जानकारी देते हुए नौरंगिया थाना अध्यक्ष अजय कुमार ने बताया कि अनियंत्रित ओटो जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर बीआर 22 पीए 4640 है,सड़क पर पलट गई। जिसमें सवार लगभग सभी लोग जख्मी हो गए। जिसमें गंभीर रूप से मनोज कुरेशी,अफसाना खातून और समीर कुरेशी और घायल हो गए, वहीं चालक भी इलाजरत है।

खबर का हुआ असर नामांकन में बरती गई अनियमितता को लेकर प्रधानाध्यापक से जिला शिक्षा पदाधिकारी ने मांगा स्पष्टीकरण

बीएनएम। बगहा। विगत दिनों वाल्मीकिनगर स्थित हाई स्कूल नदी घाटी योजना उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक मंतोष कुमार शारदा के द्वारा नवम वर्ग में नामांकन में नियत तय शुल्क से ज्यादा शुल्क लेने को लेकर पीड़ित छात्रों द्वारा विरोध प्रदर्शन किया गया था। जिस की खबर नेशन एजेंडा ने प्रमुखता से छपी थी। बतादें इस छपी खबर का संज्ञान लेते हुए जिला शिक्षा विभाग के पदाधिकारी ने प्रधानाध्यापक से पूरे प्रकरण पर स्पष्टीकरण मांगा है।पत्रांग 4907 में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि पत्र प्राप्ति के 24 घंटे के अंदर साक्ष्य के साथ स्पष्टीकरण प्रस्तुत करें। विलंब की स्थिति में विभाग द्वारा कठोर कार्यवाई की जाएगी।

वीटीआर जंगल के बाघ ने किया हमला एक की मौत

लोकसभा चुनाव में बॉर्डर सील होने के कारण जंगल के रास्ते से घर आने के लिए अपनाया था रास्ता

बीएनएम। बेतिया

बेतिया।वीटीआर जसौली के जंगल में बाघ की हमले से एक व्यक्ति की मौत हो गई. प्राप्त जानकारी के अनुसार भंगहा थाना क्षेत्र सिसवा ताजपुर जसौली निवासी शंभु महतो का पुत्र दीपेन्द्र महतो को गुरुवार की देर रात को बाघ की हमले से मौत हो गई. शुक्रवार की सुबह उस समय कोहराम मच गया जब वनकर्मी के द्वारा पेट्रोलिंग के समय ओरिया नदी के पास शव को देखा और ग्रामीणों की सूचना दी. पहले तो लोग पहचान नहीं पाये फिर गहन छानबीन करने के बाद लोगों ने पहचान की. त्वरित भंगहा पुलिस व मंगूरहा वन रेंजर को सूचित की. आनन-फानन में घटना स्थल पर पुलिस पहुंची. रेंजर सुनील पाठक ने बताया की घटना की सूचना मिली है, लेकिन पोस्टमार्टम के बाद की पता चलेगा कि मृत्यु कैसे हुई है. अभी कहना मुश्किल है कि बाघ की हमला से मौत हुई है या किसी अन्य कारण से. इधर बिना देवी, प्रभावती देवी, मीरा देवी, रमिया देवी, रंजित दास, हरि कमल, प्राण कुमार दास, उत्तम दास, रमेश मांझी, संजय दास आदि ग्रामीणों ने बताया की दीपेन्द्र की मौत बाघ की हमले से हुई है. दीपेन्द्र एक मजदूर था. प्रत्येक दिन की तरह गुरुवार को भी वह नेपाल के विजय बस्ती गांव में मजदूरी करने गया था. शाम को घर वापस आने के क्रम में देख की लोकसभा चुनाव को लेकर भारत नेपाल बॉडर सील कर दिया गया है. तो उसने सोचा कि जंगल की रास्ते से घर के लिए निकल जाता हूं. इसी दरम्यान धूमाटांड जसौली जंगल में अहीर सिसवा के पास बाघ ने हमला बोल दिया. एक किलोमीटर तक घसीटते हुए ले गया. जहां उसकी मौत हो गई. ओरिया नदी की समीप कम्पार्टमेंट नंबर 427 के पास उसकी शव मिली. इधर थानाध्यक्ष राहुल प्रसाद ने बताया की शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है. पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद कुछ पता चलेगा।

शांतिपूर्ण, स्वच्छ एवं भयमुक्त सम्पन्न कराया जाएगा मतदान : जिला निर्वाचन पदाधिकारी

- मतदान की सभी तैयारियां पूर्ण, मतदान केंद्रों पर सुरक्षा सहित अन्य व्यवस्थाएं सुदृढ़
- जिला निर्वाचन पदाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने डिस्पैच सेंटर का लिया जायजा
- पोलिंग ऑफिसर का किया उत्साहवर्धन, अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

बीएनएम। बेतिया

बेतिया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी, पश्चिम चम्पारण, बेतिया दिनेश कुमार राय, पुलिस अधीक्षक बेतिया अमरकेश डी एवं पुलिस अधीक्षक, बगहा सुशांत कुमार सरोज ने शुक्रवार को बेतिया, नरकटियागंज, रामनगर एवं बगहा के डिस्पैच सेंटर का जायजा लिया। इस दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने ईवीएम लेकर गंतव्य बूथों तक जाने वाले पोलिंग पार्टी के ऑफिसर से फीडबैक लिया और उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने पोलिंग पार्टी के ऑफिसर से कहा कि निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देश का अक्षरशः अनुपालन करते हुए सफलतापूर्वक मतदान को सम्पन्न कराइये। इसके साथ ही जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, बेतिया एवं बगहा समेत जिले के तमाम वरीय पदाधिकारियों ने एरिया डोमिनेशन करते हुए मतदाताओं से निर्भीक होकर मतदान करने का अपील की। मीडिया प्रतिनिधियों से बातचीत के क्रम में जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि पश्चिम चम्पारण जिले के दोनों लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में मतदान की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गयी है। पोलिंग पार्टी डिस्पैच सेंटर से ईवीएम आदि लेकर निर्धारित बूथों की ओर रवाना हो रहे हैं। कल 25 मई को मतदान की प्रक्रिया ससमय प्रारम्भ करायी जाएगी। उन्होंने कहा कि जिले में शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं भयमुक्त वातावरण में मतदान सम्पन्न कराया जाएगा। सुरक्षा सहित अन्य व्यवस्थाएं चाक-चौबंद है। प्रशासनिक एवं पुलिस पदाधिकारी अपने अपने दायित्वों का निर्वहन तत्परतापूर्वक कर रहे हैं। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त प्रतिभा रानी सहित सभी एआरओ, सभी कोषांगों के नोडल पदाधिकारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

लोकसभा आम निर्वाचन को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने मीडिया किया संबोधित

बीएनएम। बेतिया

लोक सभा निर्वाचन 2024 के अवसर पर शुक्रवार को समाहरणालय सभाकक्ष में प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी दिनेश कुमार राय ने मीडिया प्रतिनिधियों को संबोधित किया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि कल 25 मई को जिले में मतदान की प्रक्रिया सम्पन्न होगी। जिले के विभिन्न डिस्पैच सेंटरों से आज पोलिंग पार्टी अपने अपने निर्धारित मतदान केंद्रों की ओर रवाना हो गए हैं। जिलास्तर पर फंक्शनल कंट्रोल रूम से सभी गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। अनुमंडल एवं प्रखंड स्तर पर भी कंट्रोल रूम क्रियाशील है। उन्होंने बताया कि मतदान केंद्रों पर सुरक्षा की चाक-चौबंद व्यवस्था है। इसके साथ ही अन्य व्यवस्थाएँ सुदृढ़ की गई है। मतदाता निर्भीक होकर अपने अपने मत का प्रयोग करें, इस हेतु तैयारियां पूर्ण कर ली गयी है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा निर्वाचन से जुड़ी अन्य बातों की जानकारी मीडिया प्रतिनिधिगण को दी गयी। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक, बेतिया अमरकेश डी, अपर समाहर्ता राजीव कुमार सिंह, उप निर्वाचन पदाधिकारी, श्री लालबहादुर राय, अवर निर्वाचन पदाधिकारी यशलोक रंजन, विवेक कुमार, विशेष कार्य पदाधिकारी, जिला गोपनीय शाखा सुजीत कुमार सहित अन्य पदाधिकारी एवं प्रिंट तथा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

संपादकीय

सेवा की बड़ी महिमा है

मानव की सेवा करने का अपना आनन्द होता है। एक बार सेवा करने की आदत पड़ जाती है तो फिर छूटती नहीं। जो बिना किसी स्वार्थ दूसरो के दूसरों की सेवा करता है, उसका मुक़ाबला कोई नहीं कर सकता। सूरज बिना बदले की इच्छा रखे सबकों धूप और रोशनी देता है, चाँद ठंडक पहुँचाता है, धरती अन्न देती है, पानी जीवन देता है, हवा प्राण देती है। इनकी बराबरी कौन कर सकता है ! धन की खोट आदमी को तब मालूम होती है, जब वह खरा बनने लगता है। खरा बनने का अर्थ यह नहीं है कि इंसान घरबार छोड़ दे, जंगल में चला जाय और भगवान के चरणों में लौ लगाकर बैठा रहे। बहुत-से लोग ऐसा भी करते हैं, पर यह रास्ता सबका रास्ता नहीं है। ज्यादातर लोग तो दुनिया में रहते है और उनका वास्ता अपने घर के लोगों से ही नहीं, दूसरों के साथ भी पड़ता है। खरा आदमी वह है, जो अपनी बुराइयों को दूर करता है और नीति का जीवन बिताते हुए अपने समाज के और देश के काम आता है। ऐसा आदमी सबकी सेवा करता है। जिसका हृदय निर्मल है, उसी में ऐसे महान् प्रेम का निवास रहता है। वैसे तो हम रोज़ प्रेम करते है; अपने बच्चों के, अपने सम्बन्धियों के, अपने मित्रों के प्रति प्रेम का व्यवहार करते है, लेकिन बारीकी से देखा तो वह असली प्रेम नहीं है। हमारे प्रेम में कत्तव्य की थोड़ी-बहुत भावना रहती है; पर साथ ही यह स्वार्थ भी कि हमारे बच्चे बड़े होकर बुढ़ापे का सहारा बनेंगें।सगे-सम्बन्धी मुसीबत में काम आवेंगे। अगर हमें यह भरोसा हो जाय कि हमारा काम दूसरों के बिना भी चल जायेगा तो सच मानिए, हमारे प्रेम का बर्तन बहुत-कुछ खाली हो जायेगा। ऐसा प्रेम हमारे जीवन में छोटी-मोटी सुविधाएँ पैदा कर सकता है, पर दुनिया को बाँध नहीं सकता।असली प्रेम तो वह है, जिसमें किसी प्रकार की बदले की भावना न हो। इतना ही नही, उसमें विरोधी के लिए भी जगह हो और सबके सुख-दुरूख में काम आएं। प्रभु श्री राम अपने भक्तों में कभी भेद नहीं करते , उन्होंने संसार में एक मर्यादा को स्थापित किया। सभी जीवो , जाति-प्रजाति को समान भाव से स्वीकार किया , उनका आदर किया। यहां तक की लंका की समस्त दानव जाति को मोक्ष देकर उन्होंने उसके राज्य को भी उनके उत्तराधिकारीयों को सौंप दिया। वह समाज में धर्म और मर्यादा की स्थापना करने के लिए अवतरित हुए। भगवान् बुद्ध ने न जाने कितनों की सेवा की। हज़रत मुहम्मद जहाँ भी दुरूख होता था, वहाँ फौरन पहुँच जाते गांधीजी परचुरे शास्त्री के घावों को अपने हाथों से साफ़ करते थे। ये मामूली घाव नहीं थे, कुष्ठ के थे; उनमें से मवाद निकलता था, लेकिन गांधीजी बड़े मानवता से शास्त्रीजी की सेवा करते थे। ऐसी मिसालें एक-दो, नहीं, सैकड़ों-हजारों है। जो मानव-जाति की सेवा करता है, उससे बड़ा धनी कोई नहीं हो सकता। सेवा की बड़ी महिमा है। धन से आप कुछ लोगों को अपनी ओर खींच सकते हैं, सेना से कुछ और ज्यादा पर विजय पा सकते हैं, लेकिन सारी दुनिया को तो सेवक ही जीत सकता है। सेवा के लिए पहली शर्त मानवता हैं, अर्थात जिसके दिल में मानवता हैं, वही सेवा कर सकता है। ष्मानवताष् शब्द का सरल शब्दों में मतलब है, मानव की एकता , इंसानियत, हर मानव, चाहे वह किसी भी धर्म का हो, जाती-पाती का हो, जितना संभव हो, इंसानियत के लिए कुछ जरूर करें। कभी भी अपने पद का दुरुपयोग न करें, अन्याय का विरोध करें और न्याय का साथ दें, हमेशा नियमों का पालन करेंगे, सर्वधर्म समभाव, एकता अखंडता, एक देश एक समाज के लिए काम करेंगे, आप कभी किसी का हक नहीं छीनेंगे, भ्रष्ट से दूर रहेंगे एंव स्वयं के व्यवहार संबंधी कार्यों का मूल्यांकन करें। हमारी छोटी सी मदद देश में बहुत बडी सफलता दिला सकती है और कई लोगों की जान बचाकर जीवन को खुशहाल बना सकती है। जिम्मेदारी को समझें, हमेशा कर्तव्यनिष्ठ बनें, स्वाभिमान के साथ रहें, अभिमान के साथ नहीं, किसी के प्रति कभी भी घृणा की भावना न रखें, किसी व्यक्ति को उसके व्यवहार, कर्म, गुणों से पहचानें न कि उसके धन या महंगी उपस्थिति से। जो मानवता को नहीं समझ पाते वो क्या दुसरे को शिक्षा देंगे। आप जितना जिससे दिलचस्पी रखेंगे उतना ही दुःखदायक साबित होगा क्योंकि कोई इस संसार से कुछ नहीं लेकर जा सकता है। केवल आपके अच्छे कर्म ही आपके साथ जाता है। आज समाज के सभी वर्ग जात पात को भुलाकर मानवजाति के भलाई हेतु काम करें तो एक जुटता बनी रहेगीए यदि समाज के सभी वर्ग बिना किसी के दबाव में सभी व्यक्ति आपस में मिलकर एक दुसरे की सेवा करें सभी आपस में एक दूसरे का साथ मिल कर एक परिवार की तरह रहें कभी भी मानवता से कभी समझौता नहीं करें या धन का लालच कोई क्यों न दें पैसा तो आज आपके पास है कभी कहीं और किसी के पास होग लेकीन मानव जाति की सेवा का अवसर बार बार नहीं आता एक बार कोई दुनिया से चला जाता है बापस लौटकर नहीं आता मानव सेवा ही सबसे बड़ा धन है आप अच्छे कर्म करते रहें आपको सफलता जरुर मिलेगी जो मानवता के लिये हो आपको समाज के हजारों लोग मिल जाएंगे जो कोई भी देश- शहर का हो, उसका एक मात्र मकसद होना चाहिए रू मानव-एकता। जिससे अखंड भारत का सफल निर्माण होगा।

लेखक- संजय गोस्वामी

मृदुभाषी-अल्पवर्णित वीर माता सुमित्रा

(श्रीरामकथा के अल्पज्ञात दुर्लभ प्रसंग)

एक बार भूपति मन माहीं। भै गलानि मोरे सुत नाहीं।
गुर गृह गयउ तुरत महिपाला। चरन लागि करि। बिनय बिसाला।।
श्रीरामचरितमानस बालकाण्ड १८९-१

एक बार राजा दशरथजी के मन में बड़ी ग्लानि हुई कि मेरे पुत्र नहीं हैं। राजा तुरन्त ही गुरु वसिष्ठजी के घर गए और चरणों में प्रणाम कर बहुत विनय की।

राजा दशरथजी ने अपना सारा दुःख-सुख गुरुजी को सुनाया। गुरु वसिष्ठजी ने उन्हें बहुत प्रकार से समझाया और कहा धैर्य धारण करो, तुम्हारे चार पुत्र होंगे जो तीनों लोकों में प्रसिद्ध और भक्तों के भय को हरने वाले होंगे। मुनि वसिष्ठजी ने शृंगी ऋषि को बुलवाया और उनसे शुभ पुत्रकामेष्टि यज्ञ सम्पन्न करवाया। शृंगी ऋषि के यज्ञ से अग्निदेव हाथ में चरू (खीर हविष्यान्न) लिए प्रकट हुए। तब महर्षि वशिष्ठजी ने कहा- हे राजन ! तुम जाकर हविष्यान्न (पायस) को जिस रानी को जैसा उचित हो वैसा भाग बनाकर बाँट दो। उसी समय राजा ने अपनी पत्नियों को बुलाया। कौसल्या आदि सब रानियाँ वहाँ चली आईं। राजा ने पायस का आधा भाग कौसल्या को दिया और शेष आधे के दो भाग किए। वह उनमें से एक भाग राजा ने कैकेयी को दिया, शेष जो बच रहा उसके दो भाग हुए और राजा ने उनको कौसल्या और कैकेयी के हाथ पर रख कर अर्थात उनकी अनुमति से और इस प्रकार उनका मन प्रसन्न करके सुमित्रा को दिया।

दीनों पर दया करने वाले कौसल्या के हितकारी कृपालु प्रभु का जन्म हुआ।

कैकयसुता सुमित्रा दोऊ। सुंदर सुत जनमत भैं ओऊ।।
वह सुख संपति समय समाजा। कहि न सकइ सारद अहिराजा।।
श्रीरामचरितमानस बालकाण्ड १९५-१

कैकेयी और सुमित्रा- इन दोनों ने भी सुन्दर पुत्रों को जन्म दिया। उस सुख सम्पत्ति, समय और समाज का वर्णन सरस्वती और सर्पों के राजा शेषजी भी नहीं कर सकते।

नामकरण-संस्कार का समय जानकर दशरथजी ने ज्ञानी मुनि वसिष्ठजी को बुला भेजा। मुनि वसिष्ठजी ने कहा- हे राजन् ! इनके अनुपम नाम हैं फिर भी मैं अपनी बुद्धि के अनुसार कहूँगा-

जो आनंद सिंधु सुखरासी। सीकर तें त्रैलोक सुपासी।।
सो सुखधाम राम अस नामा। अखिल लोक दायक बिश्रामा।।
श्रीरामचरितमानस बालकाण्ड १९७-३

ये जो आनन्द के समुद्र और सुख की राशि है जिस (आनन्द सिन्धु) के एक कण से तीनों लोक सुखी होते हैं, उन (आपके सबसे बड़े पुत्र) का नाम रामÓ है जो सुख का भवन और सम्पूर्ण लोकों को शान्ति देने वाला है।

विस्व भरन पोषण कर जोई। ताकर नाम भरत अस होई।।
जाके सुमिरन ते रिपु नासा। नाम सत्रुघ्न बेद प्रकासा।।
श्रीरामचरितमानस बालकाण्ड १९७-४

जो संसार का भरण-पोषण करते हैं, उन (आपके दूसरे पुत्र) का नाम भरतÓ होगा। जिनके स्मरण मात्र से शत्रु का नाश होता है उनका वेदों में प्रसिद्ध शत्रुघ्नÓ नाम है।

दो. लच्छन धाम राम प्रिय सकल जगत अधार।
गुरु बसिष्ट तेहि राखा लछिमन नाम उदार।।
श्रीरामचरितमानस दो. १९७

जो शुभ लक्षणों के धाम, श्रीरामजी के प्यारे और सारे जगत के आधार है गुरु वसिष्ठजी ने उनका नाम लक्ष्मणÓ ऐसा श्रेष्ठ नाम रखा।

राजा दशरथजी की तीन रानियों में सुमित्राजी का चरित्र सबसे अधिक रोचक है क्योंकि वह मानस में अल्पभाषी मृदुभाषी है तथा दूसरी तरफ उनसे वार्तालाप करने वाले पात्र भी बहुत कम है। अल्पभाषी पात्र सुमित्राजी हैं किन्तु वह सूर्यवंश के राजपरिवार की प्रतिष्ठित, स्वाभिमानी और अनेक गुणों से सम्पन्न प्रतिष्ठित नारी भी है। सुमित्राजी का राजा दशरथ से भी वार्तालाप बहुत कम ही पाया गया है। सुमित्राजी दुःख-सुख, हानि-लाभ, संयोग-वियोग और विनोद-विषाद सबको समान समान दृष्टि से देखती है। समता की यही श्रेष्ठ भावना सुमित्राजी को स्वार्थ से एकदम दूर रखती है और सबके साथ सौहार्द्र-मित्रता के सूत्र में बाँधती है। सुमित्राजी ने अपने जीवन में कोई इच्छा प्रकट नहीं की और न कोई महत्वाकांक्षा।

लक्ष्मण को वन में विदा करते समय सुमित्राजी का मुँह मानस में प्रथम बार खुलता दिखाई देता है। इसके पूर्व उन्हें बोलने के अनेक अवसर थे, पर वह हर परिस्थिति में मौन रही। माता सुमित्राजी का प्रथम वार्तालाप श्रीराम के वनगमन के समय पुत्र लक्ष्मण के साथ बड़ा रोचक, शिक्षाप्रद तथा अनुकरणीय है। लक्ष्मणजी ने श्रीरामजी के साथ वन जाने के लिए बड़ा हठ करके अंत में श्रीरामजी को राजी कर लिया किन्तु श्रीराम तो बड़े अनुशासनप्रिय थे अतः लक्ष्मण से कहा कि तुम अपनी माता से मेरे साथ वन चलने की अनुमति प्राप्त कर लो।

मागहु बिदा मातु सन जाई। आवहु बेगि चलहु बन भाई।।
मुदित भए सुनि रघुबर बानी। भयउ लाभ बड़ गइ बडि हानी।।
श्रीरामचरितमानस अयोध्याकाण्ड ७३-१

श्रीराम ने लक्ष्मण से कहा- हे भाई ! जाकर माता से विदा माँग आओ और शीघ्र वन को चलो। रघुकुल में श्रेष्ठ श्रीराम की वाणी सुनकर लक्ष्मणजी आनन्दित हो गए। बड़ी हानि दूर हो गई और बड़ा लाभ हुआ। लक्ष्मणजी बड़े ही उदास मन से माता सुमित्राजी के पास गए और वनगमन की कथा विस्तार से उन्हें सुनाई। लक्ष्मणजी मन ही मन सोच रहे थे कि हे विधाता ! माता वन जाने का कहेंगी या नहीं। कैकेयी पर दशरथजी के प्रेम से सुमित्राजी ने अपना सिर धुना तथा अपना कुसमय जानकर भी धैर्य नहीं खोया। बड़े ही प्रेम से उन्होंने लक्ष्मण से कहा-

तात तुम्हारी मातु बैदेही। पिता रामु सब भाँति सनेही।।
श्रीरामचरितमानस अयोध्याकाण्ड ७४-१

हे तात ! जानकीजी तुम्हारी माता है और सब प्रकार से स्नेह करने वाले श्रीरामचन्द्रजी तुम्हारे पिता हैं।

एक आदर्श माता के रूप में सुमित्राजी ने लक्ष्मण को अल्प शब्दों में जो शिक्षा दी, वह प्रत्येक माता के लिए अनुकरणीय है।

गुर पितु मातु बंधु सुर साई। सेइअहिं सकल प्रान की नाई।।
रामु प्रानप्रिय जीवन जी के। स्वारथ रहित रखा सबही के।।
श्रीरामचरितमानस अयोध्याकाण्ड ७४-३

गुरु, पिता, माता, भाई, देवता और स्वामी इन सबकी सेवा प्राण के समान करनी चाहिए। फिर श्रीराम तो प्राणों के भी प्रिय हैं, हृदय के भी जीवन हैं और सभी के स्वार्थ रहित सखा है। हे तात् ! हृदय में ऐसा जानकर उनके साथ वन को जाओ और जगत् में जीने का लाभ प्राप्त करो।

लक्ष्मण को माता सुमित्रा द्वारा वचन और कर्म से श्रीसीतारामजी की सेवा करने का उपदेश अत्यन्त ही अनुपम है। वे कहती हैं कि संसार में वही युवती, स्त्री पुत्रवती हैं जिसका पुत्र श्रीरामजी का भक्त हो। नहीं तो जो श्रीराम से विमुख पुत्र से अपना हित जानती है, वह तो बाँझ ही अच्छी। पशु की भाँति उसका ब्याना (पुत्र प्रसव करना) व्यर्थ ही है।

तुम्हरेङ्क्षह भाग रामु बन जाहीं। दूसर हेतु तात कछु नाहीं।।
सकल सुकृत कर बड़ फलु एहु। राम सीय पद सहज सनेहू।।
श्रीरामचरितमानस अयोध्याकाण्ड ७५-२

सुमित्राजी लक्ष्मण से कहती हैं कि तुम्हारे ही भाग्य से श्रीराम वन को जा रहे हैं। हे तात् (पुत्र) ! दूसरा और कोई कारण नहीं है। पापियों का भार पृथ्वी पर और भूमि का भार शेषनाग पर है, लक्ष्मण शेषावतार होने के कारण उन्हीं के सिर पर भार है, उसी के उतारने को राम वन में जा रहे हैं, इसलिए तुम्हारे भाग्य खुल गए हैं अथवा तुम वन में उनकी अच्छी भलीभाँति सेवा कर सकोगे इसलिए तुम्हारा बड़ा भाग्य है। सब पुण्यों का यही बड़ा फल है, जो सीताराम के चरणों में स्वाभाविक प्रेम हो।

तदनन्तर सुमित्राजी लक्ष्मण को शिक्षा देती हुई कहती हैं- राग, रोष, ईर्ष्या, मद और मोह इनके वश स्वप्न में भी मत होना। सब प्रकार के विकारों का त्याग करके मन, वचन और कर्म से श्रीसीतारामजी की सेवा करना। तुमको वन में सब प्रकार से आराम है, जिसके साथ श्रीरामजी और श्रीसीताजी रूप माता-पिता हैं। हे पुत्र ! तुम वही करना, जिससे श्रीरामजी वन में क्लेश न पावे। यही मेरा उपदेश है। हे तात ! मेरा यही उपदेश है जिससे वन में तुम्हारे कारण श्रीरामजी और श्रीसीताजी सुख प्राप्त करें और पिता, माता प्रिय परिवार तथा नगर के सुखों की याद भूल जाएं। तुलसीदासजी कहते हैं कि सुमित्राजी ने इस प्रकार हमारे प्रभु लक्ष्मणजी को शिक्षा देकर वन जाने की आज्ञा दी और फिर यह आशीर्वाद दिया कि श्रीसीताजी और श्री रघुनाथजी के चरणों में तुम्हारा निर्मल एवं प्रगाढ़ प्रेम नित-नित नया हो। वह माता सुमित्राजी की सीख-उपदेश, लक्ष्मणजी सुनकर उनके चरणों में सिर नवाकर तुरन्त वहाँ से चल दिए।

तदनन्तर कौसल्या एवं सुमित्रा से चित्रकूट में सीताजी की माता श्रीसुनयना मिलती है तब सुमित्रा ने कहा-

सुनि ससोच कह देवि सुमित्रा बिधि गति बड़ि बिपरीत विचित्रा।।
जो सृजि पालइ हरइ बहोरी। बालकेलि सम बिधि मति भोरी।।
श्रीरामचरितमानस बालकाण्ड २८२-१

देवी सुमित्राजी शोक के साथ कहने लगी- विधाता की चाल बड़ी ही विपरीत और विचित्र है, जो सृष्टि को उत्पन्न करके पालता है और फिर नष्ट कर डालता है। विधाता की बुद्धि बालकों के खेल के समान भोली (विवेक शून्य) है।

चित्रकूट में सुनयनाजी कौसल्या, सुमित्रा से मिलने आती है कौसल्याजी ने उनके समक्ष श्रीराम को वन से लौटने हेतु कई विकल्प रखती है- जैसे लक्ष्मण को घर (अयोध्या) रख लिया जाएं और भरत वन जाएं।

लाखि सुभाउ सुनि सरल सुबानी। सब भइ मगन करुन रस रानी।।
नभ प्रसून झरि धन्य धन्य धुनि। सिथिल सनेहँ सिद्ध जोगी मुनि।।
सब रनिवासु बिथकि लखि रहेऊ। तब धरि धीर सुमित्राँ कहेऊ।।
देबि दंड जुग जामिनी बीती। राम मातु सुनि उठि सप्रीती।।
श्रीरामचरितमानस अयोध्याकाण्ड २८४-३, ४

कौसल्याजी का स्वभाव देखकर और उनकी सरल और उत्तम वाणी को सुनकर सब रानियाँ करुणरस में निमग्न हो गईं। आकाश से पुष्प वर्षा की झड़ी लग गई और धन्य-धन्य की ध्वनि होने लगी। सिद्ध योगी और मुनि स्नेह से शिथिल हो गए।

सारा रनिवास देखकर थकित रह गया अर्थात निस्तब्ध हो गया तब सुमित्राजी ने धीरज धर के कहा कि हे देवि ! दो घड़ी रात बीत गई है। यह सुनकर श्रीरामजी की माता कौसल्याजी प्रेमपूर्वक उठीं। अयोध्याकाण्ड में सुमित्राजी का यह अंतिम वार्तालाप है।

मानस में उत्तरकाण्ड में श्रीराम के लंका से रावण के वध उपरान्त अयोध्या लौटने पर उनकी श्रीराम से मिलने का वर्णन अत्यन्त ही अद्भुत है।

दो. भेटेउ तनय सुमित्रां राम चरन रति जानि।
रामहि मिलत कैकइ हृदयं बहुत समुचानि।।
लछिमन सब मातन्ह मिलि हरषे आसिष पाइ।
कैकइ कहँ पुनि पुनि मिले मन कर छोमु न जाइ।।
श्रीरामचरितमानस ६ (क), ६ (ख)

सुमित्राजी अपने पुत्र लक्ष्मणजी की श्रीरामजी के चरणों में प्रीति जानकर उनसे मिलीं। श्रीरामजी से मिलते समय कैकेयीजी हृदय में बहुत सकुचाईं। लक्ष्मणजी भी सब माताओं से मिलकर ओर आशीर्वाद पाकर हर्षित हुए। वे कैकेयी से बार-बार मिले परन्तु उनके मन का क्षोभ (रोष) नहीं जाता।

यही मानस में सुमित्राजी के अंतिम संवाद का वर्णन है। इस प्रकार मानस में सुमित्राजी अल्पवर्णित और मृदुभाषिणी माता के रूप में वर्णित है।

लेखक- डॉ. नरेन्द्रकुमार मेहता

आज का पंचांग

25 मई को ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष की द्वितीया तिथि और शनिवार का दिन है। द्वितीया तिथि शनिवार शाम 6 बजकर 59 मिनट तक रहेगी। 25 मई को सुबह 10 बजकर 7 मिनट तक सिद्ध योग रहेगा, उसके बाद साध्य योग लग जाएगा। साथ ही शनिवार सुबह 10 बजकर 37 मिनट तक ज्येष्ठा नक्षत्र रहेगा, उसके बाद मूल नक्षत्र लग जाएगा।

आज का राशिफल

मेष राशि : आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। कोई बड़ा और अलग काम करने से आपको बचना चाहिए। किसी मामले को आपको बातचीत और शांति से सुलझाने की कोशिश करना चाहिए। साथ ही आप संवेदनशील भी हो सकते हैं। परिवार वालों के साथ अधिक-से-अधिक समय बितायेंगे।

वृष राशिः आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आपकी कई योजनाएँ समय से पूरी हो जाएँगी। परिवार का माहौल खुशनुमा बना रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपको बड़ी सफलता मिलेगी। अपनी उर्जा से आप बहुत कुछ हासिल कर लेंगे। किसी कठिन परिस्थिति में आपको कुछ लोगों से आसानी से मदद मिल जायेगी।

मिथुन राशिःआज आपका दिन अच्छा रहेगा। दोस्तों के साथ घूमने की प्लानिंग कर सकते हैं। आप खुद को तंदरुस्त महसूस करेंगे। इस राशि के मार्केटिंग से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन बेहतर है। आपके परिवार में सुख-सौभाग्य बढ़ेगा।

कर्क राशिः आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहेगा। इस राशि के कारोबारियों को पैसों के मामलों में लाभ हो सकता है। आज रोज की अपेक्षा ऑफिस में काम आसानी से पूरा हो सकता है। साथ ही बॉस आपकी परफॉरमेंस से खुश होकर आपको कोई अच्छा-सा गिफ्ट कर सकते हैं।

सिंह राशिः आज आपका दिन शानदार रहेगा। इस राशि के कारोबारियों को उम्मीद से ज्यादा लाभ मिलेगा। ऑफिस में आपको अपनी राय रखने का पूरा मौका मिलेगा। दूसरे लोग आपकी योजना से काफी प्रभावित होंगे। आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। लवमेट के लिए आज का दिन बेहतरीन है।

कन्या राशिः आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। सभी काम आपके मन- मुताबिक पूरे हो सकते हैं। जरूरत से ज्यादा एकाग्रता के कारण आपको थोड़ी परेशानी हो सकती है। कुछ मनोरंजन के मौके मिल सकते हैं। संतान से कोई खास खुशखबरी मिल सकती है।

तुला राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आपको पुरानी बातों के झंझट में पडऩे से बचना चाहिए। छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा करने से कुछ लोग आपका विरोध कर सकते हैं। प्रभावशाली लोगों से मुलाकात की संभावना है। निवेश के मामलें में आपको कोई नई सलाह मिल सकती है। आज लोगों की नजरों में आपकी पॉजिटिव इमेज बनेगी।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आपके अधूरे काम पूरे हो सकते हैं। कुछ नए मौके आपको मिल सकते हैं। मिल कर किये गए कामों से आपको बहुत हद तक सफलता मिलने के योग है। आज आपका मन प्रसन्न रहेगा। कोई नई बात आप सीख सकते हैं। व्यापार में उचित लाभ की प्राप्ति हो सकती है।

धनु राशिः आज का दिन सुनहरे पल लेकर आयेगा। साहित्य के क्षेत्र से जुड़े लोगों को कोई बड़ी खुशखबरी मिलेगी। करियर में आप नए आयाम स्थापित करेंगे। किसी काम में जीवनसाथी की सलाह फायदेमंद रहेगी। दोस्तों के साथ मूवी जाने का प्लान बनायेंगे।

मकर राशिः आज आपका दिन व्यस्तता में बीत सकता है। आप नई जिम्मेदारी लेने में थोड़ा संकोच कर सकते हैं। आपकी जिम्मेदारियां भी बढ़ सकती है। जीवनसाथी के साथ बेहतर तालमेल बना रहेगा। भौतिक सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी। कला और साहित्य के क्षेत्र में रुझान रहेगा।

कुंभ राशिः आज आपका दिन शानदार रहेगा। आज आपके दाम्पत्य रिश्ते मधुर होंगे। रोजमर्रा के कामों से आपको फायदा होगा। कारोबार में पैसा लगाने के बारे में सोच सकते हैं। आपको कई नये काम करने के मौके मिलेंगे। आप दूसरों की मदद के लिये तैयार रहेंगे। परिवार में लाभ की स्थिति बनेगी।

मीन राशिः आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। कुछ लोगों की मदद से आपके काम पूरे हो सकते हैं। आपको कोई अच्छी खुशखबरी मिल सकती है। जीवनसाथी आज आपकी हर बात समझने की कोशिश करेंगे। साथ ही वो किसी काम में आपसे सलाह भी ले सकते हैं। आप लोगों की इच्छाएं समझने की कोशिश में लगे रहेंगे। कुछ नई जिम्मेदारी आपको मिल सकती है। आज आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहने वाली है।

खुले में काम करने वाले श्रमिक और चिलचिलाती धूप

पूरे भारत में चुनावी गर्मी ज़ोर पकड़ चुकी है, जो हम सभी को साफ़-साफ़ दिखाई भी दे रही है। हालाँकि, एक और गर्मी है जो नागरिकों, विशेष रूप से करोड़ों खुले में काम करने वाले श्रमिकों को प्रभावित करती है, यह न तो चुनावी मुद्दा है और न ही इस पर सामाजिक रूप से पर्याप्त ध्यान दिया जाता है। भारत के ग्रामीण और शहरी दोनों हिस्सों में मेहनतकश लोग, जो चिलचिलाती धूप में भी हमारे गाँवों और शहरों के लिए अनाज पैदा करते हैं, हर तरह का निर्माण कार्य करते हैं, शहरों व गांवों को चलाते हैं, हमें विभिन्न प्रकार की सेवाएँ प्रदान करें, लेकिन इसी वर्ग का अभी तक मुख्यधारा के जलवायु न्याय और नीतिगत विमर्श में पर्याप्त रूप से प्रतिनिधित्व नहीं किया गया है। एनएपीएम ने इसे एक गंभीर मुद्दे को उजागर करने की उम्मीद करते हैं जो कि अधिकारियों और बड़े पैमाने पर समाज की ओर से तत्काल कार्रवाई किये जाने का हकदार है। पिछले महीने अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन ने चेतावनी दी है कि हर साल कम से कम 70% श्रमिक अत्यधिक गर्मी के संपर्क में आते हैं और उन्हें इस तीव्र गर्मी में काम करना पड़ता है । 2000 से 2020 तक अत्यधिक गर्मी के संपर्क में आने वाले श्रमिकों की संख्या में कम से कम एक तिहाई बढ़त हुई है। इस वृद्धि का कारण ग्लोबल वार्मिंग और हर साल कार्यबल में शामिल होने वाले श्रमिकों की संख्या में वृद्धि है। अनौपचारिक और बाहरी श्रमिकों की बहुत अधिक संख्या के साथ-साथ, इस वर्ष भारत में भीषण गर्मी पड़ रही है। इसका हमारे श्रमिकों के स्वास्थ्य और आजीविका पर गंभीर प्रभाव पड़ता है। सरकारी आंकड़ों में कहा गया है कि 2023 की पहली छमाही में गर्मी के कारण 252 लोगों की मौत हो गई। इस वर्ष भीषण गर्मी के कारण यह संख्या अधिक होने की संभावना है।

ग्रामीण श्रमिकों में खेत मजदूर, नरेगा श्रमिक सबसे असुरक्षित हैं जबकि निर्माण मजदूर दूसरी सबसे कमजोर श्रेणी हैं जो मुख्य रूप से शहरी क्षेत्रों में गर्मी के संपर्क में आते हैं। "हीट आइलैंड प्रभाव", जो मानवीय गतिविधियों के कारण शहरों में स्थानीय रूप से निर्मित अत्यधिक गर्मी है, बाहरी श्रमिकों की परेशानियों को बढ़ाता है। गर्मी से संबंधित बीमारियों के खतरे में अन्य बाहरी श्रमिक जैसे खनन श्रमिक, देहाड़ी मजदूर, परिवहन कर्मचारी, गिग श्रमिक, सड़क विक्रेता, स्वच्छता कर्मचारी, कचरा बीनने वाले श्रमिक, हमाल श्रमिक, मछुआरे, नमकदान श्रमिक आदि शामिल हैं। शोधकर्ताओं ने यह भी चेतावनी दी है कि अगर अंदर काम करने वाले श्रमिकों को ऐसे स्थानों में काम करना पदे, जहां उचित वेंटिलेशन ना हो और गरमी ज़्यादा हो, तो वे भी गर्मी से संबंधित बीमारियों के खतरे में हो सकते हैं। इस प्रकार, छोटे कारखानों के श्रमिक, घर-आधारित श्रमिक और घरेलू कामगार भी अत्यधिक गर्मी के प्रभाव के जोखिम में होते हैं। महिला श्रमिकों को पुरुषों की तुलना में अधिक जोखिम होता है, क्योंकि वे अधिक सीमित और बंद जगहों में काम करती हैं, चाहे वह बाहरी काम हो या घर का काम। बड़ी संख्या में बाहरी श्रमिक अक्सर दलित, बहुजन, आदिवासी, विमुक्त, अल्पसंख्यक समुदायों सहित सामाजिक रूप से हाशिए पर रहने वाले समूहों से संबंधित होते हैं।

आईएएनओ हमें यह सलाह देता है कि श्रमिकों और कार्यस्थलों को क्लाइमेट चेंज एक्शन के केंद्र में होना चाहिए। विशेष रूप से, हीट एक्शन योजनाओं में श्रमिकों की सुरक्षा और स्वास्थ्य को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। इसके अलावा, व्यावसायिक सुरक्षा और स्वास्थ्य पर कानून को भी तत्काल जलवायु परिवर्तन के खतरे को मुख्यधारा में लाना चाहिए। भारत की नीतियों में ये जलवायु परिवर्तन, हीट एक्शन और व्यावसायिक सुरक्षा और स्वास्थ्य जैसी चिंताएं और एक्शन गायब हैं । हीट-वेव को राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन नीति और कार्य योजना में मान्यता देने के बावजूद, भारत सरकार ने इस वर्ष की अत्यधिक हीट-वेव को आपदा घोषित नहीं किया है। इससे हमारा श्रमिक वर्ग किसी भी सहायता से वंचित हो रहा है। आईएलओ का कहना है कि जब श्रमिक इन सुरक्षा उपायों के प्रति अधिक आश्वस्त होते हैं और उन्हें आय या आजीविका खोने का डर नहीं होता है, तो वे अत्यधिक गर्मी के संपर्क से खुद को बचाने में ज़यादा सक्षम होते हैं।

जन आंदोलनों के राष्ट्राय समन्वय का मानना है कि भारत के अनौपचारिक और बाहरी श्रमिकों को ऐसी महत्वपूर्ण नीतियों और कार्यक्रमों से बाहर रखे जाने की कड़ी निंदा करता है, जो उन्हें अत्यधिक गर्मी से बचा सकती हैं।

जन आंदोलनो के राष्ट्रीय समन्वय मानना है कि इस वर्ष भारत जिस भीषण गर्मी की स्थिति का सामना कर रहा है, उसे तत्काल आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 के तहत आपदा घोषित किया जाना चाहिए और प्रभावित श्रमिकों को खुद के गुज़र-बसर के लिए तुरंत आपदा भत्ता दिया जाना चाहिए।

जलवायु परिवर्तन से निपटने की नीतियों, जिनमें जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्य योजना भी शामिल है, में बाहरी और अनौपचारिक मज़दूरों को अत्यधिक संवेदनशील श्रेणी के रूप में जोड़ा जाना चाहिए, एवं उन की जरूरतों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। श्रमिकों के इस समूह के भीतर अलग-अलग कमजोरियों को ध्यान में रखते हुए क्षेत्र विशिष्ट कार्रवाई की जानी चाहिए। महिला श्रमिकों को विशेष ध्यान एवं सुरक्षा दी जानी चाहिए। श्रमिकों को अत्यधिक जलवायु परिस्थितियों में काम करने से बचाने के लिए जलवायु परिवर्तन भत्ते का प्रावधान बनाया जाना चाहिए। सिद्धांत के रूप में, गर्मी की लहरों के कारण मजदूरी के किसी भी नुकसान की भरपाई श्रमिकों को की जानी चाहिए। जन आंदोलनो के राष्ट्रीय समन्वय ने अस्तित्व में मौजूद 4 श्रम संहिताओं का पूरी तरह से विरोध करते हैं लेकिन एक अंतरिम उपाय के रूप में, हम मांग करते हैं कि श्रमिकों पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को मान्यता देना और श्रमिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने के लिए व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य स्थिति संहिता, 2020 को संशोधित किया जाना चाहिए। भारतीय मौसम विभाग वेट बल्ब ग्लोब तापमान के सटीक मापदंड प्रदान करने चाहिए, जिसमें काम के स्थलों के संकेंद्रण के निकट अधिक संख्या में स्थानीय तापमान की रीडिंग हों। अधिक स्थानीयकृत रीडिंग को आधिकारिक तौर पर दर्ज किया जाना चाहिए। इस प्रकार वे बाहरी श्रमिकों के लिए अधिक यथार्थवादी चेतावनियाँ प्रदान करने में सक्षम होंगे। हीट एक्शन योजनाएं स्थानीय-विशिष्ट होनी चाहिए और उन क्षेत्रों में मौजूद श्रमिकों की लोकतांत्रिक भागीदारी के माध्यम से बनाई जानी चाहिए। इन योजनाओं में विशेष रूप से बाहरी श्रमिकों पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए और उनकी जरूरतों पर ध्यान दिया जाना चाहिए। इस तरह के सहभागी दृष्टिकोण से मजबूत योजनाएँ बनाने में मदद मिलेगी, साथ ही बेहतर कार्यान्वयन और जवाबदेही सुनिश्चित होगी। मौजूदा योजनाओं में सबसे ज्यादा जोर घोषणाएं करने और सलाह जारी करने पर है। हालाँकि ये आवश्यक हैं, अत्यधिक गर्मी से खुद को बचाने के लिए आवश्यक संसाधनों के बिना, ये अधिकांश भारतीय श्रमिकों के लिए अर्थहीन हो जाते हैं। पानी और बिजली जैसी बुनियादी सार्वजनिक चीज़ें श्रमिकों की अत्यधिक गर्मी से खुद को बचाने की क्षमता के लिए आवश्यक हैं। इन बुनियादी सार्वजनिक वस्तुओं को सभी के लिए उपलब्ध और सुलभ बनाया जाना चाहिए, जिससे वे कठोर जलवायु परिस्थितियों से खुद को बचा सकें।

फैक्ट्री अधिनियम (1948) का पालन करते हुए, वेटबल्ब ग्लोब तापमान का मापदंड 30 से अधिक नहीं होना चाहिए। इस मापदंड को एक सीमा के रूप में समझा जाना चाहिए और यह सभी कार्यस्थलों और कार्यक्षेत्रों पर लागू होना चाहिए, क्योंकि सभी श्रमिक इंसान होते हैं, चाहे वे किसी भी क्षेत्र में काम कर रहे हों। राज्यों को अपनी शक्ति का उपयोग करके श्रमिकों के लिए स्थान और कार्य-विशिष्ट सीमाओं को तापमान के प्रतिष्ठापन के लिए अनिवार्य करना चाहिए। संगठन ने सुझाव दिया है कि गर्मी की लहर के दौरान कार्य समय पर प्रतिबंध लगाना चाहिए, जो क्षेत अनुसर लगभाग 12:30 बजे दोपहर से 4:30 बजे तक होनी चाहिए। इसके अतिरिक्त, कार्य की तीव्रता के मापन को सभी कार्यस्थलों पर गर्मी से सुरक्षा प्रोटोकॉल को सूचित करना चाहिए। इन प्रतिबंधों को निर्माण श्रमिकों के लिए अधिक कठोरता से लागू और निगरानी की जानी चाहिए, जिनके उल्लंघन करने वाले नियोक्ताओं पर भारी दंड लगाया जाना चाहिए।

संगठन का मानना है किजलवायु परिवर्तन से होने वाले नुकसान और क्षति पर चर्चा में श्रमिकों को शामिल किया जाए और उन्हें चर्चा का हिस्सा बनाया जाए। जन आंदोलनों के राष्टीय समन्वय ने कहा है कि संगठन अनौपचारिक और खुले-में-कार्यरत श्रमिकों की स्थितियों के बारे में गहराई से चिंतित हैं, जो लंबे समय तक अत्यधिक गर्मी के संपर्क में रहने के कारण गंभीर स्वास्थ्य जोखिमों का सामना करते हैं। उन नीतियों से उनका पूर्ण बहिष्कार जो उन्हें पर्याप्त सुरक्षा और राहत प्रदान कर सकती है, उनकी जोखिम को बढ़ाता है। जलवायु कार्रवाई से संबंधित प्रासंगिक नीतियों और एजेंडे पर चर्चा और बातचीत से श्रमिकों की चिंताएं और आवाजें भी गायब हैं। हम भारत सरकार और सभी राज्य/केंद्रशासित प्रदेश सरकारों से आह्वान करते हैं कि वे प्रभावी उपायों और उपरोक्त सभी मांगों का जल्द से जल्द कार्यान्वयन करने के माध्यम से इस संकट को तुरंत स्वीकार करें और इसका समाधान करें।

लेखक- कुमार कृष्णन

भगवान विष्णु ने धर्म की पत्नी रुचि के माध्यम से नर और नारायण नाम के दो ऋषियों के रूप में अवतार लिया। वे जन्म से तपोमूर्ति थे, अतः जन्म लेते ही बदरीवन में तपस्या करने के लिये चले गये। उनकी तपस्या से ही संसार में सुख और शांति का विस्तार होता है। बहुत से ऋषि मुनियों ने उनसे उपदेश ग्रहण करके अपने जीवन को धन्य बनाया। आज भी भगवान नर नारायण निरन्तर तपस्या में रत रहते हैं। इन्होंने ही द्वापर में श्रीकृष्ण और अर्जुन के रूप में अवतार लेकर पृथ्वी का भार हरण किया था।

विष्णु के ऋषि अवतार

नर और नारायण

एक बार इनकी उग्र तपस्या को देखकर देवराज इंद्र ने सोचा कि ये तप के द्वारा मेरे इंद्रासन को लेना चाहते हैं, अतः उन्होंने इनकी तपस्या को भंग करने के लिए कामदेव, वसंत तथा अप्सराओं को भेजा। उन्होंने जाकर भगवान नर नारायण को अपनी नाना प्रकार की कलाओं के द्वारा तपस्या से च्युत करने का प्रयास किया, किंतु उनके ऊपर कामदेव तथा उसके सहयोगियों का कोई प्रभाव न पड़ा। कामदेव, वसंत तथा अप्सराएं शाप के भय से थर थर कांपने लगे। उनकी यह दशा देखकर भगवान नर नारायण ने कहा- ,तुम लोग तनिक भी मत डरो। हम प्रेम और प्रसन्नता से तुम लोगों का स्वागत करते हैं।

भगवान नर नारायण की अभय देने वाली वाणी को सुनकर काम अपने सहयोगियों के साथ अत्यन्त लज्जित हुआ। उसने उनकी स्तुति करते हुए कहा- प्रभो! आप निर्विकार परम तत्व हैं। बड़े बड़े आत्मज्ञानी पुरुष आपके चरण कमलों की सेवा के प्रभाव से कामविजयी हो जाते हैं। देवताओं का तो स्वभाव ही है कि जब कोई तपस्या करके ऊपर उठना चाहता है, तब वे उसके तप में विघ्न उपस्थित करते हैं। काम पर विजय प्राप्त करके भी जिन्हें क्रोध आ जाता है, उनकी तपस्या नष्ट हो जाती है। परंतु आप तो देवाधिदेव नारायण हैं। आपके सामने भला ये काम क्रोधादि विकार कैसे फटक सकते हैं? हमारे ऊपर आप अपनी कृपादृष्टि सदैव बनाये रखें। हमारी आपसे यही प्रार्थना है।

कामदेव की स्तुति सुनकर भगवान नर नारायण परम प्रसन्न हुए और उन्होंने अपनी योगमाया के द्वारा एक अद्भुत लीला दिखायी। सभी लोगों ने देखा कि साक्षात लक्ष्मी के समान सुंदर सुंदर नारियां नर नारायण की सेवा कर रही हैं। नर नारायण ने कहा- तुम इनस्त्रियों में से किसी एक को मांगकर स्वर्ग में ले जा सकते हो, वह स्वर्ग के लिए भूषण स्वरूप होगी। उनकी आज्ञा मानकर कामदेव ने अप्सराओं में सर्वश्रेष्ठ अप्सरा उर्वशी को लेकर स्वर्ग के लिए प्रस्थान किया। उसने देवसभा में जाकर भगवान नर नारायण की अतुलित महिमा से सबको परिचित कराया, जिसे सुनकर देवराज इंद्र चकित और भयभीत हो गये। उन्हें भगवान नर नारायण के प्रति अपनी दुर्भावना और दुष्कृति पर विशेष पश्चाताप हुआ।

भगवान नर नारायण के लिये यह कोई बड़ी बात नहीं थी। इससे उनके तप के प्रभाव की अतुलित महिमा का परिचय मिलता है। उन्होंने अपने चरित्र के द्वारा काम पर विजय प्राप्त करके क्रोध के अधीन होने वाले और क्रोध पर विजय प्राप्त करके अभिमान से फूल जाने वाले तपस्वी महात्माओं के कल्याण के लिए अनुपम आदर्श स्थापित किया।

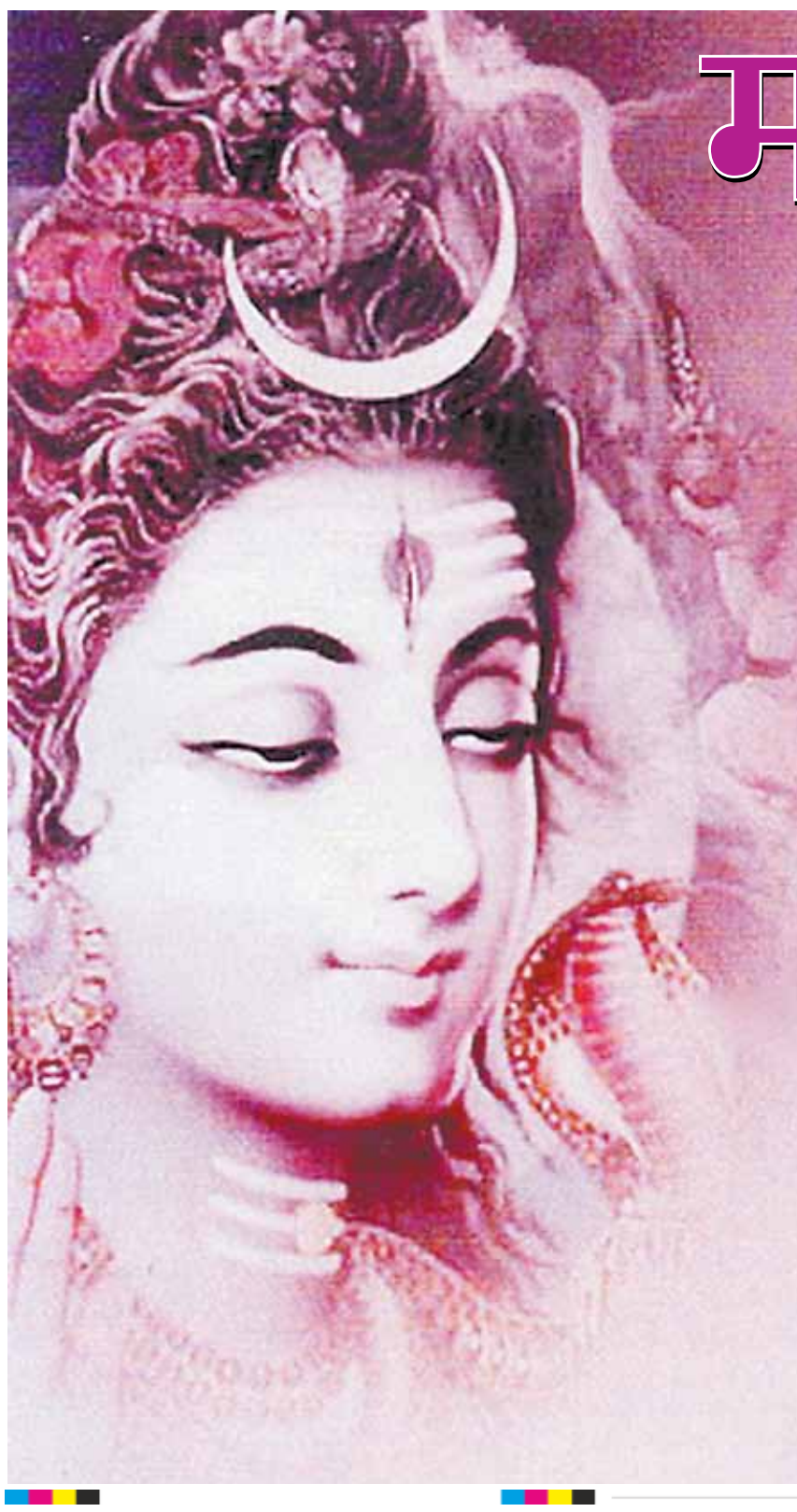

महामृत्युंजय मंत्र की महिमा

ओम त्रयम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम।
उर्वारुकमिव बन्धनात् मृत्योर्मुक्षीय मामृतात्।।

महामृत्यंजय मंत्र काफी असरकारी माना जाता है। इसका यदि शुद्ध उच्चारण किया जाए तो मृत्यु को दूर किया जा सकता है। यह बात इस कथा से स्पष्ट होती है। दर्शाण देश (वर्तमान मध्य प्रदेश के उत्तर पूर्व का एक भाग) के राजा वज्रबाहु की सुमति नाम की एक रानी थी। एक बार जब वह गर्भवती थी, तब उसकी सपत्नियों उसे विष दे दिया। भगवत कृपा से उसका गर्भस्थ भ्रूण विनष्ट नहीं हो पाया किंतु वह व्रणयुक्त हो गया। जिससे जो बालक उत्पन्न हुआ, उसका शरीर व्रण से भरा था। दोनों मां-बेटे के शरीर घावों से भर गये।

राजा ने अनेकों प्रकार के उपचार किये, परंतु कुछ भी लाभ न होते देख निराश हो सुमति से द्वेष रखने वाली अन्यान्य स्त्रियों की सलाह से, रानी सुमति को उसके बच्चे के साथ वन में छुड़वा दिया। वह वहां छोटी सी कुटिया बनाकर रहने लगी। वन में सुमति को दुरूसह कष्ट होने लगे, शरीर की पीड़ा से उसे बार-बार मूर्च्छा आने लगी, उसके बालक को तो पहले ही काल ने कवलित कर लिया।

उसे जब चेतना आयी तो वह बहुत ही कातरभाव से भगवान शंकर से प्रार्थना करने लगी- हे प्रभो! आप सर्वव्यापक हैं, सर्वज्ञ हैं, दीन-बन्धु-दुःखहारी हैं, मैं आपकी शरण हं, अब मुझे एकमात्र आपका ही अवलम्बन है। उसकी इस कातरवाणी को सुनते ही करुणामय आशुतोष का आसन डोल उठा। शीघ्र ही शिवयोगी वहां प्रकट हुए और उन्होंने सुमति को मृत्युंजय मंत्र का जप करने को कहा और अभिमंत्रित भस्म को उसकी तथा उसके बच्चे की देह में लगा दिया। भस्म के स्पर्श मात्र से ही उसकी सारी व्यथा दूर हो गयी और बालक भी प्रसन्नमुख हो जी उठा। सुमति ने शिवयोगी की शरण ली। शिवयोगी ने बालक का नाम भद्रायु रखा।

सुमति और भद्रायु दोनों मृत्युंजय मंत्र का जाप करने लगे और इधर राजा वज्रबाहु को अपनी निर्दोष पत्नी और अबोध बालक को व्यर्थ कष्ट पहुंचाने का दुष्परिणाम भी भुगतना पड़ा। उसके राज्य को शत्रुओं ने अपहृत कर राजा को बंदीगृह में डाल दिया।

एक दिन भद्रायु के मंत्र जप से प्रसन्न हो शिवयोगी पुनः प्रकट हुए। उन्होंने एक खड्ग और एक शंख दिया तथा बारह हजार हाथियों का बल देकर वे अर्न्तध्यान हो गये। भद्रायु ने अपने पिता के शत्रुओं पर आक्रमण कर उन्हें मार डाला और पैतृक राज्य को अधिकृत कर पिता को बंदीगृह से मुक्त किया। उसका यश चारों और फैल गया। चित्रांगद और सीमन्तिनी ने अपनी कन्या कीर्तिमालिनी का विवाह भद्रायु के साथ कर दिया।

भद्रायु ने शिवपूजा करते हुए सहस्त्रों वर्षों तक सुखपूर्वक प्रजा को सुख-शांति पहुंचाते हुए अविचल राज्य किया और अंत में शिवसायुज्य को प्राप्त हुआ। यह मृत्युंजय मंत्र के जप का लोकोत्तर माहात्मय है।

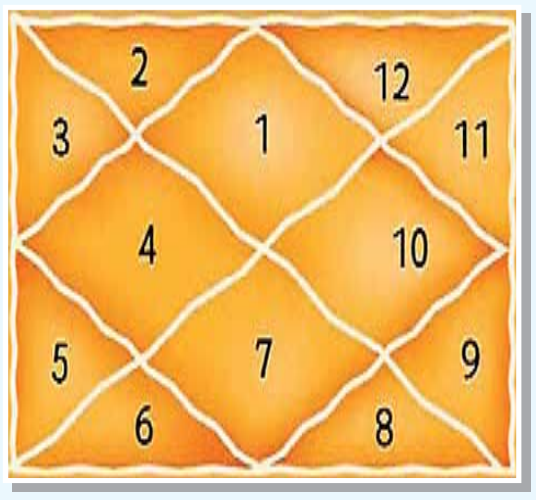

भारतीय ज्योतिष पर क्या कहते हैं विदेशी विद्वान

भारतीय ज्योतिष को प्राचीन और मौलिक केवल भारतीय विद्वान ही सिद्ध नहीं करते, अपितु अनेक भारतीय विद्वानों ने भी इसकी प्राचीनता स्वीकार की है। यहां कुछ विद्वानों के मत प्रस्तुत है-

1. अलबरूनी ने लिखा है कि ज्योतिष शास्त्र में हिन्दू लोग संसार की सभी जातियों से बढ़कर हैं। मैंने अनेक भाषाओं के अंकों के नाम सीखे हैं, पर किसी जाति में भी हजार से आगे की संख्या के लिए मुझे कोई नाम नहीं मिला। हिन्दुओं में 18 अंकों तक की संख्या के लिए नाम हैं जिनमें अंतिम संख्या का नाम परार्ध बताया गया है।
2. प्रो. मैक्समूलर ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि भारतवासी आकाशमंडल और नक्षत्रमंडल आदि के बारे में अन्य देशों के ऋणी नहीं हैं। इन वस्तुओं के मूल आविष्कर्ता वे ही हैं।
3. फ्रांसीसी पर्यटक फ्राक्वीस वर्नियर भी भारतीय ज्योतिष-ज्ञान की प्रशंसा करते हुए लिखते हैं कि भारतीय अपनी गणना द्वारा चंद्रग्रहण और सूर्यग्रहण की बिलकुल ठीक भविष्यवाणी करते हैं। इनका ज्योतिष ज्ञान प्राचीन और मौलिक है।
4. फ्रांसीसी यात्री टरवीनियर ने भी भारतीय ज्योतिष की प्राचीनता और विशालता से प्रभावित होकर कहा है कि भारतीय ज्योतिष ज्ञान प्राचीनकाल से ही अतीव निपुण हैं।
5. इन्साइक्लोपीडिया ऑफ ब्रिटैनिका में लिखा है कि इसमें कोई संदेह नहीं कि हमारे (अंग्रेजी) वर्तमान अंक-क्रम की उत्पत्ति भारत से है। संभवतः खगोल-संबंधी उन सारणियों के साथ जिनको एक भारतीय राजदूत ईस्वीं सन् 773 में बगदाद में लाया, इन अंकों का प्रवेश अरब में हुआ। फिर ईस्वीं सन् की 9वीं शती के प्रारंभिक काल में प्रसिद्ध अबुजफर मोहम्मद अल् खारिज्मी ने अरबी में उक्त क्रम का विवेचन किया और उसी समय से अरबों में उसका प्रचार बढ़ने लगा। यूरोप में शून्य सहित यह संपूर्ण अंक-क्रम ईस्वी सन् की 12वीं शती में अरबों से लिया गया और इस क्रम से बना हुआ अंकगणित अल गोरिट्मस नाम से प्रसिद्ध हुआ।

वास्तु

किराए के मकान में रहने वालों पर भी मंडराता है वास्तु दोष का प्रकोप

कभी-कभी किसी घर के पुराने दोषों के कारण वहां रहने वाले लोगों के जीवन में समस्याएं बढ़ जाती हैं। किराए के घर में रहने वाले मकान मालिक की मर्जी के बिना घर में कोई बदलाव भी नहीं करवा सकते हैं। ऐसे में किराएदार को वास्तु दोष के कारण स्वास्थ्य संबंधी या धन संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। यहां कुछ ऐसे सामान्य उपाय बताए जा रहे हैं, जिन्हें मकान मालिक से पूछे बिना भी घर में कर सकते हैं...

- घर का उत्तर-पूर्व का भाग ज्यादातर खाली ही रखना चाहिए। यहां सामान रखना वास्तु दोष उत्पन्न करता है। ऐसे में घर के लोगों के जीवन में धन संबंधी परेशानियां बनी रहती हैं।
- घर के भारी सामान या अनावश्यक वस्तुओं को घर के दक्षिण-पश्चिम भाग में रखना चाहिए। किसी अन्य स्थान पर भारी सामान रखना वास्तु के अनुसार अशुभ माना जाता है। ऐसा करने पर आपकी पैसों से जुड़ी समस्याएं कम हो सकती हैं।
- घर में बाथरूम या किचन के लिए पानी की सप्लाई उत्तर-पूर्व दिशा से लेना चाहिए।
- इस बात का भी ध्यान रखें कि बाथरूम में या किचन में या किसी अन्य स्थान पर नल से हमेशा पानी टपकना अशुभ होता है। यदि नल से हमेशा पानी टपकता रहता है तो उसे ठीक करवाएं। जैसे-जैसे नल से टपकता है ठीक वैसे ही आपके पैसों का अपव्यय होता है।
- शयनकक्ष में पलंग का सिरहाना दक्षिण दिशा में रखना चाहिए। ध्यान रखें सोते समय आपका सिर दक्षिण दिशा में व पैर उत्तर दिशा में हो तो बेहतर रहता है। यदि ऐसा न हो तो पश्चिम दिशा में सिरहाना या सिर कर सकते हैं। यदि आप इस प्रकार सोएंगे तो कई प्रकार की बीमारियों से बचाव हो जाएगा।
- खाना खाते समय ध्यान रखें कि आपका मुख दक्षिण-पूर्व दिशा में होगा तो बेहतर रहेगा। ऐसा करने पर भोजन से पूर्ण शक्ति प्राप्त होती है और वास्तु दोषों का नाश होता है।

शाह बोले- न ही मैंने और न बीसीसीआई ने किसी भी

ऑस्ट्रेलियाई को कोच बनने का ऑफर दिया

नई दिल्ली, एजेंसी। राहुल द्रविड़ के बाद भारतीय टीम का नया कोच कौन होगा, इस सवाल को लेकर क्रिकेट जगत में हलचल तेज है। इस बीच बीसीसीआई सचिव जय शाह ने यह साफ कर दिया है कि भारतीय बोर्ड या उनकी तरफ से किसी भी ऑस्ट्रेलियाई से इस पद के लिए संपर्क नहीं किया गया है और मीडिया में जो खबरें चल रही हैं, वह गलत हैं।

जय शाह ने शुक्रवार को एक बयान जारी कर स्पष्ट किया कि इन अफवाहों में कोई सच्चाई नहीं है। पुरुष क्रिकेट टीम के लिए बीसीसीआई नए मुख्य कोच की तलाश कर रहा है, क्योंकि राहुल द्रविड़ का कार्यकाल टी20 विश्व कप 2024 के बाद समाप्त हो जाएगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने 13 मई को सोशल मीडिया के जरिए भारतीय पुरुष टीम के नए मुख्य कोच के लिए आवेदन मांगे थे, जिसकी समय सीमा 27 मई निर्धारित की गई है। भारत के अगले मुख्य कोच की नियुक्ति 1 जुलाई, 2024 से 31 दिसंबर, 2027 के लिए होगी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग, जिन्होंने आईपीएल 2024 को दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच के रूप में समाप्त किया था। उन्होंने यह कहा था कि हाल ही में उनसे भारत के अगले मुख्य कोच के रूप में राहुल द्रविड़ की जगह लेने के लिए उनसे संपर्क किया गया है। पोंटिंग ने आईसीसी को बताया था, आईपीएल के दौरान कुछ छोटी-मोटी व्यक्तिगत बातचीत हुई थी, बस मेरी रुचि जानने के लिए कि क्या मैं यह करूंगा। हालांकि, बीसीसीआई सचिव ने ऐसी रिपोर्ट का खंडन किया।

शाह ने कहा, न तो मैंने और न ही बीसीसीआई ने किसी पूर्व ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी से संपर्क किया है। कुछ मीडिया चैनलों में

चल रही खबरें पूरी तरह से गलत हैं। शाह ने आगे कहा, हमारी नेशनल टीम के लिए सही कोच ढूंढना एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। हम ऐसे व्यक्तियों की पहचान करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं जो भारतीय क्रिकेट संरचना की गहरी समझ रखते हों। बीसीसीआई सचिव ने यह भी बताया कि भारतीय घरेलू क्रिकेट की समझ होना अगले कोच की नियुक्ति के लिए महत्वपूर्ण मानदंडों में से एक होगा।

उन्होंने कहा कि यह समझ टीम इंडिया को अगले स्तर तक ले जाने के लिए महत्वपूर्ण होगी। दरअसल, भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य बनने की दौर में पहले से कई बड़े नाम शामिल हैं। इस बीच पूर्व ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी रिकी पोंटिंग और जस्टिन लैंगर से जुड़ी खबरों ने इस मुद्दे को और हवा दी थी।

पेरिस ओलंपिक के लिए दम लगाने उतरेंगे भारतीय मुक्केबाज

पंघाल पर रहेंगी नजरें

बैंकॉक, एजेंसी। मार्च में पिछले विश्व क्वालीफायर में भारतीय मुक्केबाजों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा जिसमें केवल 2023 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता निशांत देव ही पहले दौर की बाधा पार कर पाए थे। भारतीय मुक्केबाज शुक्रवार से यहां शुरू होने वाले दूसरे विश्व क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट में इस साल जुलाई-अगस्त में होने वाले पेरिस ओलंपिक के लिए उपलब्ध अंतिम स्थान हासिल करने के इरादे से रिंग में उतरेंगे। पिछले क्वालीफाइंग टूर्नामेंट तक भारतीय मुक्केबाजों ने चार कोटे हासिल किए हैं लेकिन महिलाओं के 57 किग्रा वर्ग में कोटा हासिल करने वाली परवीन हुड्डा पर ठिकाने की जानकारी देने में विफलता के कारण 22 महीने का प्रतिबंध लगाए जाने की शर्मनाक घटना के बाद ये घटकर अब तीन हो गए हैं।

पिछले [lलीफायर में निराशाजनक रहा था प्रदर्शन

मार्च में पिछले विश्व क्वालीफायर में भारतीय मुक्केबाजों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा जिसमें केवल 2023 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता निशांत देव ही पहले दौर की बाधा पार कर पाए थे। इस दौरान कोचिंग संकट भी पैदा हो गया क्योंकि हाई परफोरमेंस निदेशक बर्नार्ड डुने ने पहले ही विश्व क्वालीफायर के दौरान अपना इस्तीफा सौंप दिया। अभिनाश जामवाल को भी ओलंपिक पदार्पण के लिए कट हासिल करने का मौका दिया गया है क्योंकि अनुभवी शिवा थापा 63.5 किग्रा वजन वर्ग में बार-बार विफल रहे हैं और इस वजन वर्ग में पांच कोटे दांव पर लगे हैं।

- **जैसमीन-अंकुशिता भी करेंगी प्रतिस्पर्धा-** महिलाओं के वर्ग में अंकुशिता बोरो 66 किग्रा में खेलती थीं लेकिन अब वह 60 किग्रा में प्रतिस्पर्धा करेंगी और कट हासिल करने के लिए उन्हें शीर्ष तीन में रहना होगा। अंकुशिता ने इस वजन वर्ग में जैसमीन लम्बोरिया की जगह ली जो पहले दो क्वालीफाइंग में कोटा जुटाने में विफल रहीं। अंकुशिता पहले दौर में मंगोलिया की नामुन मोनखोर के सामने होंगी।

अमित पंघाल को किया गया शामिल

भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) ने काफी बदलाव किए हैं जिसमें भारत के एकमात्र पुरुष विश्व चैंपियनशिप रजत पदक विजेता अमित पंघाल आखिरकार टीम में शामिल किए गए हैं क्योंकि दीपक भोरिया पहले दो क्वालीफाइंग टूर्नामेंट में 51 किग्रा वजन वर्ग में कोटा हासिल करने में विफल रहे। पंघाल ने इस साल के शुरू में स्ट्रेंड्जा मेमोरियल टूर्नामेंट में और 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीता था। उन्हें ओलंपिक के लिए जगह बनाने का केवल एक ही मौका मिलेगा और पूर्व एशियाड चैंपियन इसका पूरा फायदा उठाने का प्रयास करेगा। पंघाल को दूसरी वरीयता मिली है और उन्हें पहले दौर में बाई मिली है जिससे क्वार्टर फाइनल में उनके चीन के लियू चुआंग या किर्गिस्तान के अनवरझान खोदजिएव से भिड़ने की संभावना है।

कार्तिक के बाद एक और दिग्गज की होगी भावुक विदाई...

- **रोहित शर्मा के दोस्त का ऐसा बयान**

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट में लंबे समय तक दस्ताने से कोहराम मचाने वाले दिनेश कार्तिक ने राजस्थान के खिलाफ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की दिल तोड़ने वाली हार के बाद क्रिकेट किट टांगने का फैसला किया था। हालांकि, उन्होंने यह बड़े सामान्य तरीके से किया। डीके ने न तो कोई पोस्ट लिखा और न ही किसी तरह का बयान दिया। आरसीबी ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया तो

रिटायरमेंट का पता चला। अब उनके साथी शिखर धवन ने ऐसा बयान दिया है, जिससे माना जा रहा है कि वह भी जल्द ही क्रिकेट से संन्यास ले सकते हैं। दरअसल, इंडियन प्रीमियर लीग के 2024 सीजन में पंजाब किंग्स का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। शिखर धवन एंड कंपनी अंतिम स्टैंडिंग में नौवें स्थान पर रही। पंजाब किंग्स को आखिरी मैच में धर्मशाला में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से 60 रन से हार का सामना करना पड़ा, जिससे आईपीएल 2024 की प्लेऑफ दौड़ से उनका समय से पहले बाहर होना तय हो गया। हालांकि, चोट के कारण कप्तान धवन लंबे समय से प्लेइंग-11 से बाहर थे। सलामी बल्लेबाज धवन को 9 अप्रैल को पूर्व चैंपियन सनराइजर्स हैदराबाद (स्क्रा॥) के खिलाफ कंधे में चोट लग गई थी।

अभिनव बिंद्रा ने दी अधिकारियों को सलाह, बोले-

खिलाड़ियों के साथ इंसान की तरह व्यवहार करो

नई दिल्ली, एजेंसी। बीजिंग 2008 ओलंपिक खेलों में 10 मीटर एयर राइफल के स्वर्ण पदक विजेता बिंद्रा ने कहा कि मानसिक रूप से स्वस्थ रहना बहुत ही महत्वपूर्ण पहलू है जो केवल खिलाड़ियों के लिए नहीं बल्कि कोचों के लिए भी जरूरी है तथा खेल मनोवैज्ञानिकों को उनके साथ काफी सयंम बरतना चाहिए।

ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता निशानेबाज अभिनव बिंद्रा ने बृहस्पतिवार को खेल पारिस्थितिकी तंत्र के हिस्सेदारों से अनुरोध किया कि वे खिलाड़ियों से पदक जीतने वाले रोबोट की तरह नहीं बल्कि इंसान की तरह ही बर्ताव करें। भारतीय खिलाड़ियों की ओलंपिक, एशियाई खेल और राष्ट्रमंडल खेलों सभी बड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में हालिया सफलता से सिर्फ खिलाड़ियों के दर्जे में ही इजाफा नहीं हुआ है बल्कि इससे उनसे लगी उम्मीदों का बोझ भी बढ़ा है। बीजिंग 2008 ओलंपिक खेलों में 10 मीटर एयर राइफल के स्वर्ण पदक विजेता बिंद्रा ने कहा कि मानसिक रूप से स्वस्थ रहना बहुत ही महत्वपूर्ण पहलू है जो केवल खिलाड़ियों के लिए नहीं बल्कि कोचों के लिए भी जरूरी है तथा खेल मनोवैज्ञानिकों को उनके साथ काफी सयंम बरतना चाहिए।

बिंद्रा ने यहां कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में खेल मनोवैज्ञानिकों के साथ वर्चुअल बातचीत में कहा, ''सबसे अहम चीज है कि खिलाड़ियों से इंसान की तरह व्यवहार करना और उन्हें पदक जीतने वाले रोबोट की तरह तैयार करने का काम नहीं करना। उन्होंने कहा, ''खिलाड़ियों के साथ भरोसा और रिश्ता बनाना बहुत महत्वपूर्ण है। खिलाड़ियों के साथ लगातार मानसिक और भावनात्मक विकास के लिए खेल मनोवैज्ञानिक को धैर्य बरतना चाहिए।'' बिंद्रा ने खेल मनोवैज्ञानिकों से अनुरोध किया कि वे खिलाड़ियों, विशेषकर निशानेबाजों का तोक्यो में उनके पिछले ओलंपिक के प्रदर्शन के आधार पर आकलन नहीं करे बल्कि वे मौजूदा समय किस स्थान पर है, इसके आधार पर उन्हें देखना चाहिए।

व्यापार

आईआईटी से पढ़ाई के बाद गूगल में जॉब, फिर कुछ अलग करने की जिद, आज 2000 करोड़ की कंपनी के मालिक!

नई दिल्ली, एजेंसी। राहुल गर्ग बी2बी ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म मोग्लिक्स के संस्थापक हैं। यह कंपनी औद्योगिक और एमआरओ

(मेनटिनेंस, रिपेयरिंग और ओवरहॉल) वस्तुओं की ऑनलाइन खरीद-फरोख्त में मदद करती है। मोग्लिक्स की गिनती सफल कंपनियों में होती है। राहुल गर्ग ने कई साल तक बढ़िया सैलरी पर गूगल में काम किया। लेकिन, उनके मन में हमेशा कुछ अपना करने की जिद थी। आज उनकी कंपनी 2,081 करोड़ की बन चुकी है।

राहुल गर्ग मूल रूप से हरियाणा के फरीदाबाद के रहने वाले हैं। उनके परिवार का शिक्षा और व्यवसाय दोनों से गहरा रिश्ता था। उनकी मां ने घर पर रहना चुना। जबकि पिता एस.के. गर्ग सी एंड एस इलेक्ट्रिक में एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर थे। फरीदाबाद के एपीजे स्कूल में पढ़ाई के दौरान राहुल का प्रदर्शन असाधारण था। इसके अलावा कार्मेल कॉन्वेंट में पढ़ते हुए उन्होंने खेलों में भी खूब हिस्सा लिया। वह स्कूल में बैडमिंटन और बास्केटबॉल दोनों टीमों के कप्तान थे। राहुल को आईएसबी, हैदराबाद में अपने बैच में पहला स्थान हासिल करने के लिए स्कॉलर ऑफ एक्सीलेंस से सम्मानित किया गया था। यह सम्मान उन्हें आईआईटी कानपुर से इलेक्ट्रॉनिक्स में इंजीनियरिंग की डिग्री पूरी करने के बाद मिला। उन्होंने आईएसबी से ही एमबीए किया है। राहुल ने कई सालों तक गूगल में काम किया। उसके बाद उन्होंने मोग्लिक्स की शुरुआत की। वह भारत, साउथ ईस्ट एशिया और कोरिया के लिए स्वङ्ग के प्रमुख के पद पर थे।

राहुल ने पारंपरिक सप्लाई चेन को बदलने के उद्देश्य से मोग्लिक्स की स्थापना की थी। मोग्लिक्स कंपनियों को औद्योगिक उत्पादों की खरीद और हैंडलिंग के लिए एक व्यापक समाधान मुहैया करती है। स्थानीय बाजार में प्रवेश करते वक्त राहुल गर्ग को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। इसके बावजूद मोग्लिक्स चेन्नई से सेफ्टी शूज के लिए अपना शुरुआती ऑर्डर हासिल करने में सफल रही। कंपनी की यात्रा में प्रमुख मील का पत्थर 25 जनवरी, 2022 को आया। तब मोग्लिक्स ने सीरीज एफ फंडिंग राउंड में 25 करोड़ डॉलर हासिल किए। राहुल गर्ग को अपनी कारोबारी यात्रा के लिए कई सम्मान मिले हैं। इनमें फॉर्च्यून 40 अंडर 40 में लिस्टिंग और 2018 में यंग एंटरप्रेन्योर समिट एंड अवार्ड्स में बिजनेस वर्ल्ड यंग एंटरप्रेन्योर अवार्ड पाना शामिल है।

दो बड़ी भारतीय कंपनियों के बीच अपनी तरह की पहली साझेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। यूपीएल और आरती इंडस्ट्रीज के शेयरों में आज बढ़त दिख रही है। इसके पीछे दोनों कंपनियों के बीच ज्वाइंट वेंचर के लिए हुआ एक समझौता है, जिसमें विशेष रसायनों का निर्माण किया जाएगा। इस ख्बार के बाद 24 मई को शुरुआती कारोबार में यूपीएल और आरती इंडस्ट्रीज के शेयर ऊंचे स्तर पर कारोबार कर रहे थे। 24 मई को सुबह 10:35 बजे एनएसई पर आरती इंडस्ट्रीज के शेयर 2.70 प्रतिशत ऊपर 643.90 रुपये और यूपीएल 1.52 प्रतिशत ऊपर 518.60 रुपये पर थे। यूपीएल ने 23 मई को एक प्रेस रिलीज में कहा, आरती इंडस्ट्रीज और यूपीएल ने विशेष रसायनों के मैन्युफैक्चरिंग और मार्केट के लिए 50-50 प्रतिशत साझेदारी में ज्वाइंट वेंचर में एंट्री की है। इन केमिकल्स का इस्तेमाल कई डाउनस्ट्रीम उद्योगों में किया जाता है।

यह व्यवस्था वैश्विक बाजारों के लिए डाउनस्ट्रीम और वैल्यू एडेड केमिकल इंटरमीडिएट प्रोडक्ट के डेवलपमेंट, मैन्युफैक्चरिंग और मार्केटिंग के लिए दो बड़ी भारतीय कंपनियों के बीच अपनी तरह की पहली साझेदारी है। यह भारत की आत्मनिर्भर बनने में योगदान देगी। दोनों कंपनियां उन रसायनों के निर्माण के लिए प्रमुख कच्चा माल उपलब्ध कराएंगी। ज्वाइंट वेंचर कंपनी को अगले 2 से 3 वर्षों में 400 से 500 करोड़ रुपये की अधिकतम वार्षिक राजस्व क्षमता के साथ कॉमर्शियल स्पलाई शुरू करने की उम्मीद है। ऑजीन केमिकल प्राइवेट लिमिटेड कंपनियों के बीच ज्वाइंट वेंचर के लिए एक प्रस्तावित यूनिट होगी। दोनों कंपनियों ने शुरुआत में एसीपीएल की इक्विटी शेयर पूंजी में 12.50 करोड़ रुपये निवेश करने का प्रस्ताव रखा है।

फेस्टिव सीजन में नहीं उछलेगा प्याज का दाम!

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले वित्त वर्ष में प्याज के दाम में 30 प्रतिशत से अधिक उछाल को देखते हुए सरकार सप्लाई की व्यवस्था बेहतर बनाने में जुट गई है। उत्पादन घटने के अनुमानों के बीच 5 लाख टन का बफर स्टॉक बनाने के लिए किसानों से खरीदारी हो रही है, उत्पादन की मुख्य जगहों से दूर के इलाकों में अधिक भंडारण केंद्र तैयार किए जा रहे हैं और

रेडिएशन के जरिए पहले से अधिक प्याज स्टोर करने की योजना भी है। एक सरकारी अधिकारी ने बताया कि इस बार कोशिश यह है कि उत्पादन वाले इलाकों से दूर के इलाकों में भी ज्यादा प्याज स्टोर किया जाए। इससे जरूरत के समय सप्लाई करने में आसानी होगी। ट्रांसपोर्टेशन में रेल नेटवर्क का उपयोग बढ़ाया जाएगा जिससे त्योहारों के सीजन में बढ़ी हुई मांग पूरी करने में ज्यादा समय न लगे और लासलगांव जैसी प्रमुख मंडी से बहुत दूर के इलाकों में कंस्यूमर के लिए भाव अधिक न उछले। एक अधिकारी ने कहा कि इस बार किसानों से ऐसा प्याज लेने पर जोर है, जिसमें डंठल का कुछ हिस्सा भी बचा हो, क्योंकि इसे अधिक समय तक स्टोर किया जा सकता है। पिछले साल पायलट बेसिस पर महाराष्ट्र के लासलगांव में 1200 टन प्याज को रेडिएशन के बाद स्टोर किया गया था। इस बार करीब 5000 टन प्याज स्टोर किया जाएगा। प्याज को 3-4 महीने से अधिक स्टोर नहीं किया जा सकता।

रुकने वाली नहीं है सोने की तेजी, कई देशों के सेंट्रल बैंक जमकर खरीद रहे हैं गोल्ड

चीन में रिटेल इन्वेस्टर्स भी कर रहे सोने का रुख

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने की कीमत में हाल में काफी तेजी आई है। जानकारों का कहना है कि गोल्ड में यह तेजी लंबे समय तक बरकरार रह सकती है। पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच कई उभरते देशों के सेंट्रल बैंक जमकर सोने की खरीदारी कर रहे हैं। इसके साथ ही अमेरिका में ब्याज दरों में हाल-फिलहाल बदलाव की उम्मीद नहीं दिख रही है। इससे सोने की कीमत में तेजी आ रही है। ऐसे में सोने में निवेश से लंबे समय तक दूर रहने से नुकसान हो सकता है। टाटा एसेट मैनेजमेंट के फंड मैनेजर (कमोडिटी) तपन पटेल के मुताबिक सोने के पॉजिटिव आउटलुक को देखते हुए निवेशक अगले तीन महीनों में सोने में अपना निवेश 8-10 प्रतिशत से बढ़ाकर 10-15 प्रतिशत कर सकते हैं।

हाल के दिनों में सोने की कीमतों में तेजी से उछाल आया है और 5 साल की अवधि में इसने निफ्टी 50 से बेहतर प्रदर्शन किया है। निफ्टी के 15.24 प्रतिशत

रिटर्न के मुकाबले गोल्ड ने 17.39 प्रतिशत रिटर्न दिया है। हालांकि, 10 साल की अवधि में इसने 9.02 प्रतिशत रिटर्न दिया है, जबकि निफ्टी 50 का रिटर्न 13.3 प्रतिशत रहा है। पिछले तीन महीनों में सोने की कीमत 19 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि एक साल में यह 22.8 प्रतिशत बढ़ी है। वेल्थ मैनेजर बताते हैं कि सोने के बढ़ने के कई कारण हैं। उनकी सलाह है कि निवेशक अगले तीन महीनों में किसी भी गिरावट पर सोने की खरीद कर सकते हैं। मार्च और फरवरी में 0.4 प्रतिशत की वृद्धि के बाद पिछले महीने अप्रैल में अमेरिकी सीपीआई में 0.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई। यह दिखाता है कि दूसरी तिमाही के प्रारंभ में महंगाई में गिरावट का रुझान पुनः शुरू हो गया है।

कब करें खरीदारी

क्वांटम म्यूचुअल फंड के फंड मैनेजर गजल जैन का कहना है कि भू-राजनीतिक संघर्षों में तेजी, अमेरिकी चुनावों से पहले इकॉनमी को सपोर्ट देने के लिए फिस्कल या मॉनिटरी प्रयास तथा फेड बैलेंस शीट में हाल ही में घोषित कटौती से महंगाई की स्थिति पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। इससे सोना प्रासंगिक बना रहेगा। पटेल ने कहा कि चीन, तुर्की और रूस के नेतृत्व में केंद्रीय बैंकों द्वारा की जा रही खरीदारी से भी सोने की कीमतें मजबूत बनी रहेंगी। यूक्रेन युद्ध के कारण कई देशों के लिए अमेरिकी डॉलर में निवेश को लेकर आशंका बढ़ गई है। यही कारण हैं कि दुनिया के कई देशों के सेंट्रल बैंक अपने रिजर्व में विविधता लाने और अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता कम करने के लिए सक्रिय रूप से सोना जमा कर रहे हैं।

चीन में सेंट्रल बैंक के साथ-साथ आम लोग भी सोना खरीद रहे हैं। इससे गोल्ड की डिमांड बढ़ी है। 2020 तक चीन के निवेशकों के लिए रियल एस्टेट निवेश का पसंदीदा साधन था लेकिन अब मामला बदल गया है। देश का रियल एस्टेट सेक्टर गहरे संकट में है। साथ ही शेयर बाजार का प्रदर्शन भी बेहद खराब रहा है। यही वजह है कि चीन के रिटेल इन्वेस्टर्स भी अब सोने का रुख कर रहे हैं। मनी हनी फाइनेंशियल सर्विसेज के एमडी अनूप भैया ने कहा कि खुदरा निवेशक एक बार में खरीदने के बजाय गिरावट पर खरीदने की रणनीति अपना सकते हैं। वे 3-4 चरणों में अपना दांव लगा सकते हैं।

टेलीविजन एक्टर अनुज अरोड़ा अपनी पहली बॉलीवुड फिल्म के लिए तैयार

टेलीविजन अभिनेता अनुज अरोड़ा थ्रिलर मर्डर मिस्ट्री कोई जाए तो ले आए से बॉलीवुड में अपनी शुरुआत करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने अपनी भूमिका विजय के असल जिंदगी में खुद के साथ कनेक्शन के बारे में बात की। बुरे भी हम भले भी हम, बंदिनी जैसे टीवी शो का हिस्सा रह चुके अनुज ने कहा कि यह फिल्म उनके लिए और भी खास है।

उनके किरदार का नाम उनकी मां जैसा ही है। उन्होंने कहा कि मैं विजय का किरदार निभा रहा हूं, लेकिन मैं इसके बारे में ज्यादा कुछ नहीं बता सकता। खास बात यह है कि फिल्म में मेरा नाम विजय है और यह मेरी मां का नाम भी है। मैं वास्तव में इसके लिए उत्सुक हूं। मुझे उम्मीद है कि इसे लोग खूब पसंद करेंगे। हालांकि अभी तक फिल्म की रिलीज डेट की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन अभिनेता को उम्मीद है कि यह अगले महीने किसी समय रिलीज होगी। उन्होंने आगे बताया कि वह फिल्म को लेकर काफी उत्साहित हैं, क्योंकि यहां तक पहुंचने में उन्हें 15 साल लग गए। अपनी फिल्म को रिलीज होते देखना अद्भुत है। मैं बहुत भाग्यशाली हूं। जब मुझसे संपर्क किया गया तो यह एक वेब श्रृंखला होने वाली थी, लेकिन शूटिंग के बाद निर्माताओं को यह इतनी पसंद आई कि उन्होंने इसे फिल्म बना दिया। मैं इसे बड़े पर्दे पर देखना चाहता हूं। फहद कश्मीरी द्वारा निर्देशित और विभु अग्रवाल द्वारा निर्मित फिल्म में आकाश तलवार, हीना पांचाल और शर्लिन दत्त भी हैं।

मधुबाला, मीना कुमारी जैसी एक्ट्रेस का रोल निभाना चाहूंगी

टीवी एक्ट्रेस उल्का गुप्ता ने बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट पहचान मिली थी झांसी की रानी लक्ष्मीबाई सीरियल से। इन दिनों उल्का मैं हूं साथ तेरे सीरियल की लेकर चर्चा में हैं, जिसमें वह मां की भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा- मैं एक लोअर मिडल क्लास फैमिली से आती हूं, जो आज अपने बलबूते पर यहां तक पहुंची है। बाल कलाकार के रूप में अपने करियर की शुरुआत करने वाली उल्का गुप्ता को शोहरत मिली झांसी की रानी लक्ष्मीबाई सीरियल से। इन दिनों वे चर्चा में हैं अपने नए सीरियल मैं हूं साथ तेरे से। इस शो में वे सिंगल मदर की भूमिका में हैं। टीवी में अलग-अलग तरह की भूमिकाएं कर चुकी कहती हैं, ये सच है कि पिछले कुछ अरसे से मैंने टीवी से ब्रेक लिया था, क्योंकि मैं खुद को टटोलना चाहती थी एक एक्ट्रेस के रूप में मैं नया क्या कर सकती? मुझे खुशी है कि मुझे मैं हूं साथ तेरे में आज के युग की मजबूत महिला का किरदार निभाने का मौका मिला है। ये पहली बार नहीं है, जब मैंने हिस्टोरिकल किरदारों से हटकर रेग्युलर आम किरदार निभाया है, जो उस तरह से हीरोइज्म से भरे नहीं हैं, तो में खुद को लकी मानती हूं कि मुझे हर तरह के किरदार करने का मौका मिला है।

फिल्मों में भी मर्दवादी किरदार कम नहीं हैं

टीवी पर बनने वाले रिग्रेसिव शोज के बारे में वे कहती हैं, मैं जानती हूं कि टीवी पर महिलाओं को लेकर स्टीरियो टाइप और पिछड़ी सोच के शोज बनाने के आरोप लगते रहते हैं, मगर मैं इस तरह के शोज का हिस्सा नहीं बनी। फिल्में हों या टीवी हर जगह हर तरह का कॉन्टेंट बनता है। फिल्मों में भी आपको मर्दवादी किरदार देखने को मिलते हैं, मगर एक अभिनेत्री के रूप में मैंने हमेशा सशक्त किरदार निभाए। चाहे वो झांसी की रानी लक्ष्मीबाई हो या बन्नी चाव होम डिलीवरी और अब मेरा ये नया शो मैं हूं साथ तेरे आज के प्रोग्रेसिव दौर की बात करता है, जहां एक सिंगल मदर के लिए उसका छोटा-सा बच्चा पार्टनर ढूंढने की कवायद करता है। जब मैंने इस शो के लिए हामी भरी, तो कई लोगों को शक था कि मैं मां का रोल प्ले करने के लिए बहुत छोटी हूं, मगर एक अभिनेत्री के रूप में मेरे लिए ये ममता वाला इमोशन काफी चुनौतीपूर्ण था।

किसी महानायिका को प्ले करना चाहूंगी

अपने ड्रीम रोल के बारे में उनका कहना है, अगर मुझे किसी महानायिका को निभाने का अवसर मिले, तो मैं बहुत शुक्रगुजार होऊंगी। मधुबाला, मीना कुमारी या फिर वहीदा रहमान। इन महानायिकाओं के अलावा साउथ की जानी-मानी अभिनेत्री थीं सावित्री, मैं उनकी भूमिका निभाना चाहूंगी। सावित्री साउथ की मशहूर अभिनेत्री ही नहीं थीं बल्कि निर्मात्री और गायिका भी थीं। पचास और साठ के दशक में वे सबसे ज्यादा प्राइज मनी पाने वाली हीरोइनों में थीं। वे एक बेहतरीन अभिनेत्री होने के साथ-साथ समाज सेवा में भी निपुण थीं।

लड़कियों पर चीजें थोप दी जाती हैं

महिला प्रधान किरदार निभाने वाली उल्का लड़कियों की परेशानियों के बारे में कहती हैं, लड़कियों की सबसे बड़ी समस्या हमारे परिवार से लेकर हमारी सोसायटी हो जाती है। हम लोग एक डेवलपिंग कंट्री हैं और बहुत कुछ बदल रहा है, लोगों की मानसिकता में बदलाव आ रहा है। अतीत में हमारे इतिहास में कई सशक्त महिलाएं रही हैं, मगर और भी कई क्षेत्र थे, जहां सशक्तिकरण की जरूरत थी। जैसे आत्मनिर्भर होना। अच्छी बात ये है कि आज महिलाएं अपने सपनों को सच करने के लिए कटिबद्ध हैं। मगर इस सिलसिले में उनकी चुनौतियां काफी बढ़ गई हैं, क्योंकि वे अपने घर और जिम्मेदारियों को भी संभाल रही हैं और अपने सपनों को भी पूरा कर रही है। कई बार हमारा परिवार ही हम पर कई चीजें थोप देता है।

यश की टॉक्सिक का हिस्सा बनीं हुमा कुरैशी

साउथ सुपरस्टार यश इन दिनों अपनी आगामी फिल्म टॉक्सिक- ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। फिल्म को लेकर लगातार नई जानकारियां सामने आ रही हैं, जो फिल्म की कहानी और उनके कलाकार से जुड़ी हुई हैं। फिल्म की कास्ट अब तक पूरी तरह से तय नहीं हुई है, ऐसे में फिल्म में शामिल हो रहे कलाकारों के बारे में जानकारियां फैंस का उत्साह बढ़ा रही हैं। वहीं अब फिल्म में एक और अभिनेत्री की शामिल होने की खबरें तेजी से सोशल मीडिया पर फैल रही हैं। चर्चा है कि फिल्म में कियारा आडवाणी पहले ही शामिल हो चुकी हैं। अब हाल ही में ऐसे अपडेट आए हैं, जिसमें बताया गया है कि एक और बॉलीवुड अभिनेत्री महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए कलाकारों में शामिल होंगी। रिपोर्ट्स के अनुसार, बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी को फिल्म में अहम भूमिका के लिए कास्ट किया गया है। ऐसी अटकलें हैं कि हुमा उस भूमिका के लिए फिल्म में शामिल नहीं हो रही हैं, जिसे करीना कपूर ने मना कर दिया था। हुमा के फिल्म में शामिल होने की खबर ने प्रशंसकों का उत्साह बढ़ा दिया है। कहा जा रहा है कि वे किसी नई अहम भूमिका के लिए चुनी गई हैं। हुमा के किरदार के बारे में अन्य जानकारियां जल्द ही सामने आने की उम्मीद है। वहीं इस बीच हुमा को लेकर चर्चा है कि वे अक्षय कुमार और अरशद वारसी की जॉली एलएलबी 3 में भी नजर आएंगी। इससे पहले टॉक्सिक में कई अभिनेत्रियों द्वारा मुख्य नायिका की भूमिका निभाने के लिए अफवाहें फैली हुई थीं। ऐसे में तब निर्माताओं ने बयान जारी करते हुए प्रशंसकों को ऐसी अफवाहों से दूर रहने की सलाह दी थी। उन्होंने बयान में कहा था, टॉक्सिक- ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स की कास्टिंग के बारे में कई अप्रमाणित सिद्धांत और सूचनाएं चल रही हैं। हम वास्तव में टॉक्सिक के आसपास के उत्साह की सराहना करते हैं, लेकिन इस बिंदु पर हम सभी से अटकलों से बचने का अनुरोध करेंगे।

घर के बॉस पति शिरीष कुंदर के आगे मैं बस चुप रहती हूं

फिल्म मेकर-कोरियोग्राफर फराह खान ने बताया कि उनके परिवार में किसकी चलती है, और कैसे घर पर उनके पति शिरीष कुंदर के होने पर किरदार बदल जाते हैं क्योंकि वही बॉस होते हैं। फराह खान एक्टर अनिल कपूर के साथ कॉमेडियन कपिल शर्मा के द ग्रेट इंडियन कपिल शो के नए एपिसोड में नजर आईं। बातचीत के दौरान फराह ने बताया कि घर पर उनके पति-फिल्ममेकर और फिल्म एडिटर शिरीष ज्यादा बातूनी हैं। फराह कहती हैं, मेरे लिए शिरीष घर का बॉस है। जब वह बाहर होते हैं तो कुछ नहीं बोलते। घर पर वह इतना बोलते हैं कि हम सब सोफे के पीछे छिप जाते हैं। वह आते हैं और हमें लेक्चर देना शुरू कर देते हैं। इसलिए, घर पर मैं बहुत शांत रहती हूं।

किसी ने मुझसे कहा था बॉलीवुड में रहना है तो सुंदर...

जैकलीन फर्नांडीज मानती हैं कि बॉलीवुड में कई सुंदर बदलाव भी हो रहे हैं। वे कहती हैं, जब मैंने अपने करियर की शुरुआत की थी तब उन दिनों तीस पार कर चुकी अभिनेत्रियों के लिए फिल्मों में काम मिलना थोड़ा मुश्किल लगता था, लेकिन अब हालात बदल रहे हैं। जैकलीन फर्नांडीज इन दिनों कान फिल्म फेस्टिवल में धूम मचा रही हैं। हर दिन सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें वायरल हो रही हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान अभिनेत्री ने अपने करियर के शुरूआती दिनों के बारे में कई खुलासे किए। साथ ही साथ उन्होंने बॉलीवुड में अभिनेत्रियों के संघर्षों के बारे में भी कई बातें कहीं। जैकलीन फर्नांडीज बॉलीवुड में अभिनय के अलावा अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी अक्स सुर्खियां बटोरती रहती हैं। जैकलीन से जब पूछा गया कि उनके करियर की शुरुआत में उन्हें सबसे बुरी सलाह क्या मिली थी। इस सवाल के जवाब में अभिनेत्री कहती हैं, एक बार मैं जिम में थी और तब मैं बॉलीवुड में नई-नई ही आई थी। वहां एक सीनियर एक्टर भी जिम कर रहे थे। मैंने जब उन्हें बताया कि मैं अपने उच्चारण को सुधारने के लिए ट्यूशन ले रही हूं, तब उन्होंने कहा मुझे इसकी जरुरत नहीं है।

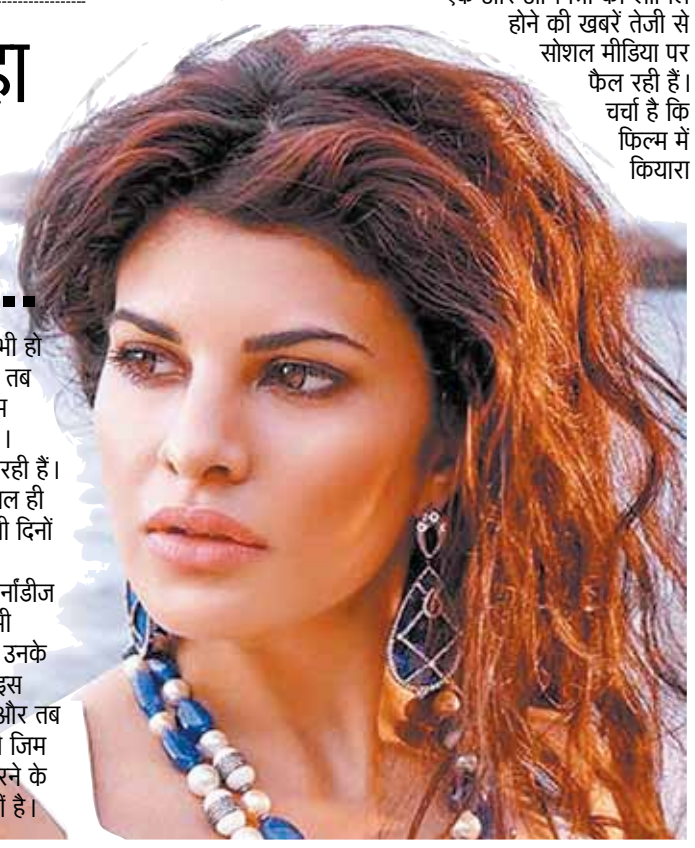

बॉलीवुड में अपने काम का ढिंढोरा पीटना जरूरी, मेरा असली टाइम अब आया है

अपनी अदाकारी से दर्शकों का दिल जीतने वाले एक्टर श्रेयस तलपड़े पिछले दिनों जब दिल का दौरा पड़ने के कारण अस्पताल में भर्ती हुए, तो उनके फैंस सन्न रह गए। उनके चाहने वालों के लिए वह बड़ा झटका था, लेकिन अब वह दोगुने जोश के साथ सिल्वर स्क्रीन पर लौट आए हैं। जल्द ही कर्तम भुगतम, कंपकंपी, इमरजेंसी, वेलकम टू जंगल जैसी फिल्मों में नजर आने वाले श्रेयस का मानना है कि उनका असल टाइम अब आया है।

आपको हमेशा बढ़िया एक्टर का दर्जा मिला है, मगर आपको नहीं लगता कि जितनी बढ़िया फिल्में और रोल आप डिजर्व करते थे, वो शायद नहीं मिला। इसकी क्या वजह मानते हैं?

इन सवालों के टेक्निकली कोई जवाब नहीं होते। कभी-कभी लगता है कि शायद हममें कोई कमी होगी। जैसे मैं मानता हूं कि उस वक्त जितना अच्छा एक्टर मुझे माना गया, मुझे उतनी अच्छी मार्केटिंग भी करनी चाहिए थी। जो फिल्में चलीं, उनकी सफलता भुनानी चाहिए थी, जो मैंने नहीं किया। वो होता है न, खुद का ढिंढोरा पीटना, हमारे प्रफेशन में वो भी जरूरी होता है लेकिन हम थिएटर बैकग्राउंड से आते हैं तो हमें झिझक होती है कि खुद का ढिंढोरा क्या पीटें? हमें सिखाया गया है कि काम करो, अच्छा काम होगा तो चार लोग बोलेंगे पर ये पूरा सच नहीं है। पूरा सच ये है कि काम तो करो ही लेकिन उसकी मार्केटिंग भी उतनी ही जरूरी है। वैसे, कभी-कभी मुझे ये भी लगता है कि कुछ फूल देर से खिलते हैं, उन्हें वह वक्त देना चाहिए। शायद अब मेरा वक्त है। अब मैं कुछ चीजें सही तरीके से कर रहा हूं। मेरी जो फिल्में रिलीज पर हैं, वो चाहे कर्तम भुगतम हो, कंपकंपी हो, इमरजेंसी हो, वेलकम टू जंगल हो या पुष्पा हो, जो लाइन अप हैं, उनमें मैं खुद को नए तरीके से पेश करने की कोशिश कर रहा हूं।

कर्तम भुगतम ग्रहों की चाल और ज्योतिष पर आधारित है। आप निजी जिंदगी में इन चीज़ों पर कितना यकीन करते हैं?

मैं आपको एक वाकया बताता हूं। 2005 में जब इकबाल रिलीज हुई थी। तभी मेरी शादी भी हुई थी तो मुझे और दीप्ति (पत्नी) को एक शो कॉस्मिक चैट में बुलाया गया था। उसमें टैरो कार्ड रीडर सुनीता मेनन से हमने अपने पहले घर के बारे में पूछा तो उन्होंने कहा कि दो साल बाद होगा। जबकि, मुझे यकीन था कि जैसी फिल्में मुझे मिल रही हैं, मैं अगले साल घर ले लूंगा। मैंने उन्हें गलत साबित करने का ठान लिया। अगले साल हमने घर देख लिया, बुकिंग अमाउंट दे दिया, लोन पास हो गया, जब फाइनल चेक देने गए तो वहां बंदा बदल गया, नया वाला बंदा रेट बढ़ाकर बताने लगा तो हमारी बहस हो गई और वो एकदम फाइनल घर हमें नहीं मिला। मैंने दूसरा घर फाइनल किया पर हमारे वास्तु वाले ने मना कर दिया और अंत में हमारा घर 2007 में ही हुआ, तो हम मानें या न मानें लेकिन ऐसी चीजें होती हैं तो आपको यकीन करना पड़ता है कि कुछ तो विज्ञान या शक्ति है।

आपके हार्ट अटैक के वक्त आपकी पत्नी डटकर खड़ी रहीं। वह आपकी जिंदगी के लिए कितनी बड़ी संबल हैं?

असल में, उसके लिए यह सदमा बहुत ज्यादा है, इसलिए उसे यह सब भूलने में वक्त लगेगा। अब भी बेचारी डरी रहती है। हर दस मिनट में फोन करके पूछती है कि तुम ठीक हो, खाना खाया या नहीं, दवा ली या नहीं। वो सदमा उसके लिए गहरा है। दीप्ति हमेशा से बहुत मजबूत महिला रही हैं। जब हमारी शादी हुई थी, तभी मैं इकबाल करने चला गया तो तीन महीने वो मेरे पैरंट्स के साथ ही घर पर थी। किसी भी लड़की के लिए शादी के तुरंत बाद पति से दूर रहना मुश्किल होता है लेकिन उसने कभी किसी चीज के लिए शिकायत नहीं की। अब मैं सोचता हूं कि मैं उसे किसी भी रूप में थोड़ी खुशी दे पाऊं तो मैं खुद को बहुत भाग्यवान समझूंगा।